छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

(पूर्ववर्ती कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा A++ ग्रेड, यू.जी.सी. श्रेणी–I प्राप्त विश्वविद्यालय

सफर शिखर तक

तीन साल बेमिसाल

प्रो0 विनय कुमार पाठक
कुलपति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पेज सं0
1.	सीएसजेएमयू @ सफर शिखर तक	02
2.	सीएसजेएमयू को मिली नैक ए प्लस–प्लस की ग्रेडिंग	03
3.	यूजीसी कैटेगरी प्रथम श्रेणी का तमगा	05
4.	एडुरैंक वर्ल्ड रैकिंग में सीएसजेएमयू की ऊंची छलांग	07
5.	फेसलेस स्टूडेंट सर्विसेज से युक्त एसएससी सेल	09
6.	सीएसजेएमयू की नई सौगात : आईओएल के साथ ऑन लाइन पाठ्यक्रम का आगाज	10
7.	सीएसजेएमयू की डिजिटल विश्वविद्यालय की तरफ लम्बी छलांग	11
8.	शैक्षणिक सहभागिता एवं एमओयू में अभूतपूर्व वृद्धि	13
9.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग	14
10.	परंपरागत शिक्षण के साथ संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं के आयोजन की रही लंबी श्रृंखला	15
11.	म्यूजिक बैंड : संगीत को मिला बढ़ावा, परिसर में बना सांस्कृतिक वातावरण'	18
12.	शिक्षण–प्रशिक्षण के साथ खेल गतिविधियों में अभूतपूर्व इजाफा	19
13.	शिक्षा मंथन 2023 में शिक्षाविदों ने पेश किया प्रगतिशील शिक्षा का रोडमैप	23
14.	शोध कार्य एवं परियोजनाएं	25
15.	प्रशिक्षण और प्लेसमेंट	28
16.	हाईस्पीड इंटरनेट युक्त परिसर	29
17.	अत्याधुनिक मीडिया सेंटर से मिली ई–लर्निंग को ऊंची उड़ान	31
18.	समृद्ध पुस्तकालय : आफलाइन से ऑनलाइन तक	34
19.	नये क्लेवर में निखरा नवाचार प्रकोष्ठ	36
20.	कोविड 19 महामारी के दौरान सीएसजेएमयू बना कोरोना वारियर	38
21.	भव्यता के साथ निखरा योग शिक्षा के साथ और योग दिवस का उत्सव	39
22.	सीएसजेएमयू में हुआ कबाड़ से कमाल	41
23.	विश्वविद्यालय में विद्युतीय ऊर्जा में आत्मनिर्भरता के निमित्त बढ़ा मजबूती से कदम	42
24.	समृद्ध हुआ एल्युमनाई प्रकोष्ठ	43
25.	मीडिया की नजरों में विश्वविद्यालय	45

सीएसजेएमयू @ सफर शिखर तक

सीएसजेएम विश्वविद्यालय का नैक द्वारा ए प्लस प्लस, उसके बाद यूजीसी से प्रथम श्रेणी के विश्वविद्यालय का खिताब हासिल करने के साथ अब वर्ल्ड एडु रैंकिंग में 12वां स्थान प्राप्त होने का करिश्मा कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के 2021 से 2024 के बीच में दिये करिश्माई नेतृत्व से ही संभव हो सका। सीएसजेएम विश्वविद्यालय 1966 में पार्वती बांगला रोड पर एक छोटे से कमरे में शुरुआत से लेकर एक प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान के रूप में इसके वर्तमान कद तक के उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाती है। कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल और कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के दूरदर्शी नेतृत्व में, विश्वविद्यालय ने निरंतर विकास और प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहल की हैं।

फेसलेस सिस्टम का कार्यान्वयन एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में सामने आया है, जो डिग्री जारी करने और सत्यापन जैसी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, जिससे छात्रों को व्यक्तिगत रूप से विश्वविद्यालय आने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इस पहल ने कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में विभिन्न छात्र–हितैषी नीतियों की स्थापना के साथ–साथ छात्र परिषदों, एंटी–रैगिंग समितियों और शिकायत निवारण प्रकोष्ठों की स्थापना ने छात्र कल्याण के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और बढ़ाया है।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने शोध एवं विकास के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है, जिसमें शोध निदेशकों का विस्तार, गीता शोध पीठ की स्थापना और अनुकूल शोध वातावरण का निर्माण शामिल है। संस्थान ने सभी विभागों में डिजिटलीकरण में भी प्रगति की है और प्रो. विनय कुमार पाठक जी के कुशल नेतृत्व में नए पाठ्यक्रम और नवाचार पेश किए हैं।

ए प्लस प्लस मान्यता प्राप्त करने में विश्वविद्यालय की सफलता इसके संकाय और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है। पूर्व में सीएसजेएम विश्वविद्यालय केवल संबद्धता प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय था। परंतु बाद में यह धीरे–धीरे आवासीय विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने लगा। कुलपति जी के नेतृत्व में करीब दर्जन भर से अधिक पाठ्यक्रमों को शुरू किया गया। इसमें अध्यापन के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की गई। पूर्व में खाली पड़े शिक्षकों के पदों को भरा गया। इसका नतीजा यह रहा कि तीन साल पहले तक जो छात्र संख्या 5 हजार के आस–पास थी, वह अब 2023 के आंकड़ों में 10 हजार से ऊपर पहुंचने में कामयाब हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय में निरंतर होती प्रगति इस बात का द्योतक है कि कुलपति जी ने यहां पठन–पाठन का माहौल बेहतर बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास किये। यही कारण है कि अब छात्रों का रूझान तेजी से विश्वविद्यालय परिसर की तरफ बढ़ता जा रहा है।

सीएसजेएमयू को मिली नैक ए प्लस–प्लस की ग्रेडिंग

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया आनंदीबेन पटेल जी के मार्गदर्शन एवं यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की अगुवाई में विश्वविद्यालय ने शिक्षण–प्रशिक्षण में गुणवत्ता की दुनिया में नैक ए प्लस प्लस की ग्रेडिंग लाकर बड़ी छलांग लगाई है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए शहर का गौरव बढ़ाया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के निरीक्षण में विवि को सर्वाधिक ए प्लस प्लस ग्रेड मिला है। नैक ए प्लस प्लस मिलने के साथ ही विश्वविद्यालय देश के प्रमुख शीर्ष संस्थानों में शामिल हो गया है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
is pleased to declare
Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kalyanpur, Dist. Kanpur Nagar, Kanpur, Uttar Pradesh as
Accredited
with CGPA of 3.57 on four point scale
at A++ grade
valid up to November 24, 2028

Date : November 25, 2023

Director

EC(SC)/174.1/3rd Cycle/UPUNGN10126

विश्वविद्यालय ने चार ग्रेड की छलांग लगाते हुए इस सफलता को अर्जित किया। इससे पहले सीएसजेएमयू को साल 2006 और 2015 में नैक की ओर से बी ग्रेड प्राप्त हुआ था। सीएसजेएमयू में नैक टीम ने तीन से पांच नवंबर तक निरीक्षण किया था। टीम ने विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों जैसे अकादमिक, खेल, शोध, अनुसंधान, विभागवार प्रगति रिपोर्ट, छात्रावास आदि के आधार पर मूल्यांकन किया था। नैक टीम ने विश्वविद्यालय के बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर, शोध एवं विकास कार्यक्रम, रिच फैकल्टी स्ट्रेंथ व अध्ययन अध्यापन के लिए बेहतर माहौल को जांचा और परखा। उसके बाद टीम ने अपने एनालिसिस में विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस की ग्रेडिंग के लिए उपयुक्त पाया। गौरतलब है कि सीएसजेएम विश्वविद्यालय इस समय प्रदेश में सभी ए प्लस प्लस विश्वविद्यालयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय बन चुका है।

माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने इसका मुख्य श्रेय आदरणीय कुलाधिपति महोदया आनंदीबेन पटेल जी के नेतृत्व एवं विश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि आदरणीय कुलाधिपति महोदया के सफल मार्गदर्शन की वजह से हासिल हो सका है। कुलाधिपति ने नैक टीम के निरीक्षण से पूर्व राजभवन में नैक की प्रगति को बिंदुवार जांचा एवं हर स्तर पर अपने सुझाव भी दिए। प्रो. पाठक ने कहा कि यह उपलब्धि समस्त विवि परिवार की मेहनत का परिणाम है। सभी ने अपने अपने स्तर पर शत–प्रतिशत न्याय करने का कार्य किया है।

नैक टीम ने यूपी में सीएसजेएमयू में पहली बार लागू की गई नई शिक्षा नीति को खासा पसंद किया। इसके अलावा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतरराष्ट्रीय मैप पर सीएसजेएमयू की उपस्थिति, बेहतर अकादमी कल्चर, सेंट्रल सुविधाएं, उच्च स्तर की वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं आदि प्रयास को काफी पसंद किया गया।

इसके अलावा पुस्तकालय को अत्याधुनिक किया जाना, ई–लाइब्रेरी की स्थापना, मेंटरशिप कार्यक्रम, करियर परामर्श और सामुदायिक आउटरीच पहल के साथ साथ टीबी रोगियों को गोद लेना, सामाजिक जुड़ाव के प्रति विश्वविद्यालय की भूमिका का महत्व को भी वरीयता दी गई। कबाड़ से कमाल, विशेष रूप से आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से छोटे बच्चों और उनके परिवारों का सशक्तिकरण जैसे प्रयास ने विश्वविद्यालय को विशिष्ट बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाने का कार्य किया। इसके अलावा फेसलेस सेवाओं के कार्यान्वयन ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई कार्यशैली विकसित की है।

सीएसजेएमयू में इससे पहले साल 2006 एवं 2015 में नैक टीम द्वारा विश्वविद्यालय को ग्रेडिंग प्रदान की गई थी। नैक ने विश्वविद्यालय को बी ग्रेड पर आंका था। साल 2021 में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय में कार्यभार संभाला और शिक्षा अध्ययन, शोध, इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रेडिंग के साथ–साथ बेहतर एकेडमिक कल्चर को विकसित करने पर जोर दिया। जिसका परिणाम यह रहा की मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने बी से नैक ए प्लस प्लस का सफर तय किया है। यह ग्रेडिंग अगले पांच वर्षों तक के लिए अनुमन्य होगा।

यूजीसी कैटेगरी प्रथम श्रेणी का तमगा

यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अगुवाई में विश्वविद्यालय के सिर पर एक और ताज सज गया। उनके कार्यकाल और कुशल नेतृत्व में नैक ए प्लस प्लस के बाद विश्वविद्यालय को यूजीसी की सर्वोच्च श्रेणी मिली है। इस उपलब्धि के बाद अब विश्वविद्यालय के स्वायत्तशासी प्रकृति में इजाफा हो गया है। अब विश्वविद्यालय में नए कोर्स शुरू करने, नया कैंपस खोलने, विदेशी छात्रों को प्रवेश देने, एकेडमिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता होगी।

पिछले एक साल के दौरान ही नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के नाम यह बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सीएसजेएमयू को श्रेणी–1 की सूची में शामिल किया है। इसके साथ ही सीएसजेएमयू देश के सर्वोच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल हो गया है।

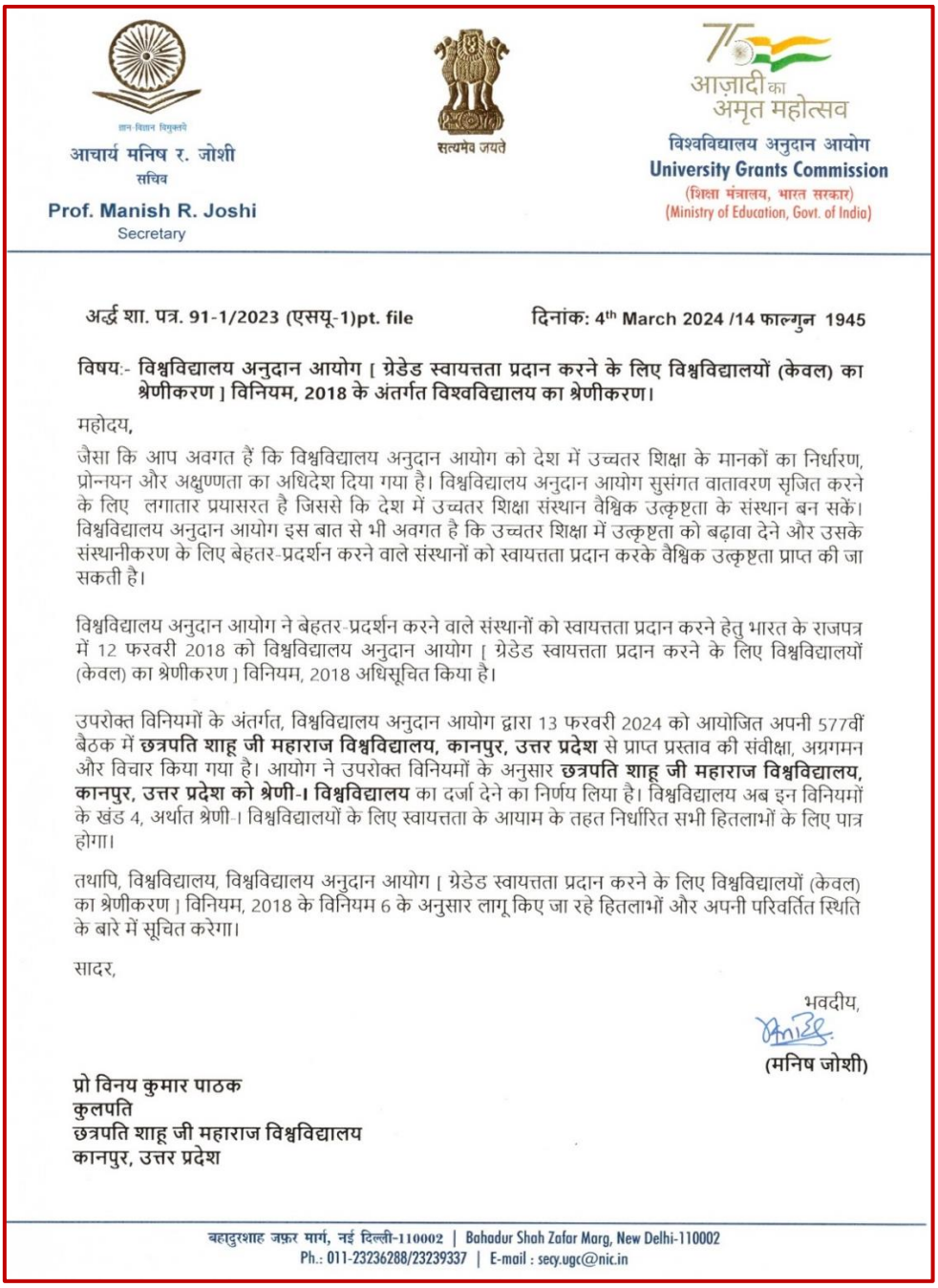

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

आचार्य मनिष र. जोशी
सचिव
Prof. Manish R. Joshi
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

अर्द्ध शा. पत्र. 91-1/2023 (एसयू-1)pt. file दिनांक: 4th March 2024 /14 फाल्गुन 1945

विषय:- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग [ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का श्रेणीकरण] विनियम, 2018 के अंतर्गत विश्वविद्यालय का श्रेणीकरण।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को देश में उच्चतर शिक्षा के मानकों का निर्धारण, प्रोन्नयन और अक्षुण्णता का अधिदेश दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सुसंगत वातावरण सृजित करने के लिए लगातार प्रयासरत है जिससे कि देश में उच्चतर शिक्षा संस्थान वैश्विक उत्कृष्टता के संस्थान बन सकें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इस बात से भी अवगत है कि उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और उसके संस्थानीकरण के लिए बेहतर-प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को स्वायत्तता प्रदान करके वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बेहतर-प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को स्वायत्तता प्रदान करने हेतु भारत के राजपत्र में 12 फरवरी 2018 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग [ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का श्रेणीकरण] विनियम, 2018 अधिसूचित किया है।

उपरोक्त विनियमों के अंतर्गत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 फरवरी 2024 को आयोजित अपनी 577वीं बैठक में **छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश** से प्राप्त प्रस्ताव की संवीक्षा, अग्रगमन और विचार किया गया है। आयोग ने उपरोक्त विनियमों के अनुसार **छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश को श्रेणी-I विश्वविद्यालय** का दर्जा देने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय अब इन विनियमों के खंड 4, अर्थात श्रेणी-I विश्वविद्यालयों के लिए स्वायत्तता के आयाम के तहत निर्धारित सभी हितलाभों के लिए पात्र होगा।

तथापि, विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग [ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का श्रेणीकरण] विनियम, 2018 के विनियम 6 के अनुसार लागू किए जा रहे हितलाभों और अपनी परिवर्तित स्थिति के बारे में सूचित करेगा।

सादर,

भवदीय,

(मनिष जोशी)

प्रो विनय कुमार पाठक
कुलपति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश

बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002 | Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
Ph.: 011-23236288/23239337 | E-mail : secy.ugc@nic.in

अभी तक देश के केवल एक फीसदी विश्वविद्यालय को ही यूजीसी ने इस श्रेणी में शामिल किया है। इससे विवि को कई मामलों में एकेडमिक व प्रशासनिक स्वायत्ता मिलेगी। विवि को नए कोर्स शुरू करने, नया कैंपस खोलने, विदेशी छात्रों को प्रवेश देने और एकेडमिक निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता होगी। यूजीसी की अनुमति नहीं लेनी होगी।

यूजीसी की ओर से 5 मार्च 2024 को (सोमवार) को जारी किए गए पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी गई। यूजीसी सचिव मनीष आर जोशी के पत्र के अनुसार 13 फरवरी 2024 को आयोजित 577वीं बैठक में सीएसजेएमयू, कानपुर से प्रस्ताव को बैठक में रखा गया था। समीक्षा के बाद यूजीसी ने सीएसजेएमयू को श्रेणी–1 विश्वविद्यालय का दर्जा दिया है। अब विश्वविद्यालय नए आयामों के साथ बेहतर अकादमिक वातावरण के लिए तैयार होगा।

राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) की ओर विश्वविद्यालय और कॉलेजों के ग्रेडिंग दी जाती है। यह ग्रेडिंग विश्वविद्यालय को सात पैरामीटर पर दिए गए अंकों के आधार पर दी जाती है। नैक में ए प्लस प्लस पाने के बाद ही कोई संस्थान यूजीसी श्रेणी–1 में आवेदन करने के लिए योग्य होता है। यह अर्हता विश्वविद्यालय नवम्बर 2023 में ही हासिल कर चुका है। माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में पठन–पाठन से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर आदि में बेहतरीन सुधार किये। इसी कारण उसे यूजीसी श्रेणी–1 का दर्जा मिलने के बाद विश्वविद्यालय वैश्विक पटल पर उभरकर सामने आएगा।

सीएसजेएमयू अब विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ बिना किसी बाधा के बेहतर अकादमिक संबंध, शोध के नए अवसर, साझा अनुसंधान के प्रोजेक्ट के साथ ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर काम कर सकेगा। इसके अलावा विदेशी छात्रों को कैंपस में पढ़ने आने, विदेश में कैंपस खोलने तक के लिए विवि को स्वयतत्ता हासिल हो गई है। इसके पहले उत्तर प्रदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय को श्रेणी–एक विश्वविद्यालय की रैंकिंग प्राप्त है।

छात्रों की मार्कशीट और डिग्री में होगा अंकित

यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने बताया कि विश्वविद्यालय की नैक ए प्लस प्लस और यूजीसी कैटेगरी 1 की श्रेणी प्राप्त होने की उपलिब्धयां अब छात्रों की मार्कशीट और डिग्री में अंकित होंगी। इसका छात्रों को उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा ग्रहण करने और अच्छी कंपनी में नौकरी पाने में फायदा मिलेगा। सीएसजेएमयू का नाम यूजीसी कैटेगरी 1 की श्रेणी में आना गौरव का विषय है। यह विवि के छात्रों, शिक्षक, कर्मचारियों के प्रयास की वजह से ही संभव हुआ है। विशेष रूप से कुलाधिपति महोदया आनंदीबेन पटेल जी को बधाई, जिनके मार्गदर्शन से ही संस्थान आगे बढ़ा है। इस नई उपलब्धि से विवि स्वायत्ता के नए आयामों के साथ बेहतर अकादमिक वातावरण के लिए तैयार होगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा श्रेणी–1 विश्वविद्यालय के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद, सीएसजेएम विश्वविद्यालय अब देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक हो गया है। यह प्रतिष्ठित दर्जा हासिल करना विश्वविद्यालय द्वारा बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के प्रति समर्पण के परिणामस्वरूप हुआ है। प्रतिष्ठित नैक.ए प्लस प्लस मान्यता प्राप्त करने के बाद, यह नवीनतम उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसके लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही क्षेत्रों से बधाई मिल रही है।

यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को भेजे गए पत्र में विश्वविद्यालय के वर्गीकरण के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश से प्राप्त प्रस्ताव की समीक्षा के बाद 13 फरवरी, 2024 को आयोजित 577वीं बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। श्रेणी–1 के तहत यह मान्यता विश्वविद्यालय को स्वायत्तता के नए आयामों के अनुरूप बेहतर शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने में सक्षम बनाएगी।

श्रेणी–1 का दर्जा प्राप्त करने से विश्वविद्यालय के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ लाभदायक शैक्षणिक संबंध बनाने, नए शोध अवसरों की खोज करने और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और सहयोगी शोध परियोजनाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक मामलों में स्वायत्तता से लाभ उठाने के द्वार खुल गए हैं। इस मान्यता से विश्वविद्यालय की वैश्विक उपस्थिति बढ़ने और छात्रों और संकाय सदस्यों को समान रूप से कई लाभ मिलने की उम्मीद है।

यूजीसी की घोषणा के साथ ही सीएसजेएम विश्वविद्यालय को बधाईयों का तांता लग गया है, जो मान्यता और सहयोग के एक नए युग की शुरुआत है। पूर्व छात्रों, हितधारकों और गणमान्य व्यक्तियों ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक और पूरे विश्वविद्यालय प्रशासन को अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

एडुरैंक वर्ल्ड रैंकिंग में सीएसजेएमयू की ऊंची छलांग

अप्रैल 2024 में यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के कार्यकाल में सीएसजेएमयू के लिए एक और उपलब्धि जुड़ गयी। छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी कानपुर ने एडु रैंक वर्ल्ड रैंकिंग– 2024 में प्रदेश भर में टॉप 12 विश्वविद्यालयों में अपनी जगह बनाई हैं। अभी कुछ ही समय पहले विश्वविद्यालय के नाम नैक ए प्लस प्लस की उपलब्धि जुड़ी थी। साथ ही मार्च 2024 में यूनिवर्सिटी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से ग्रेड वन का दर्जा भी मिला। इसी कड़ी में अब यूनिवर्सिटी के नाम यह उपलब्धि सोने पर सुहागा जैसी है।

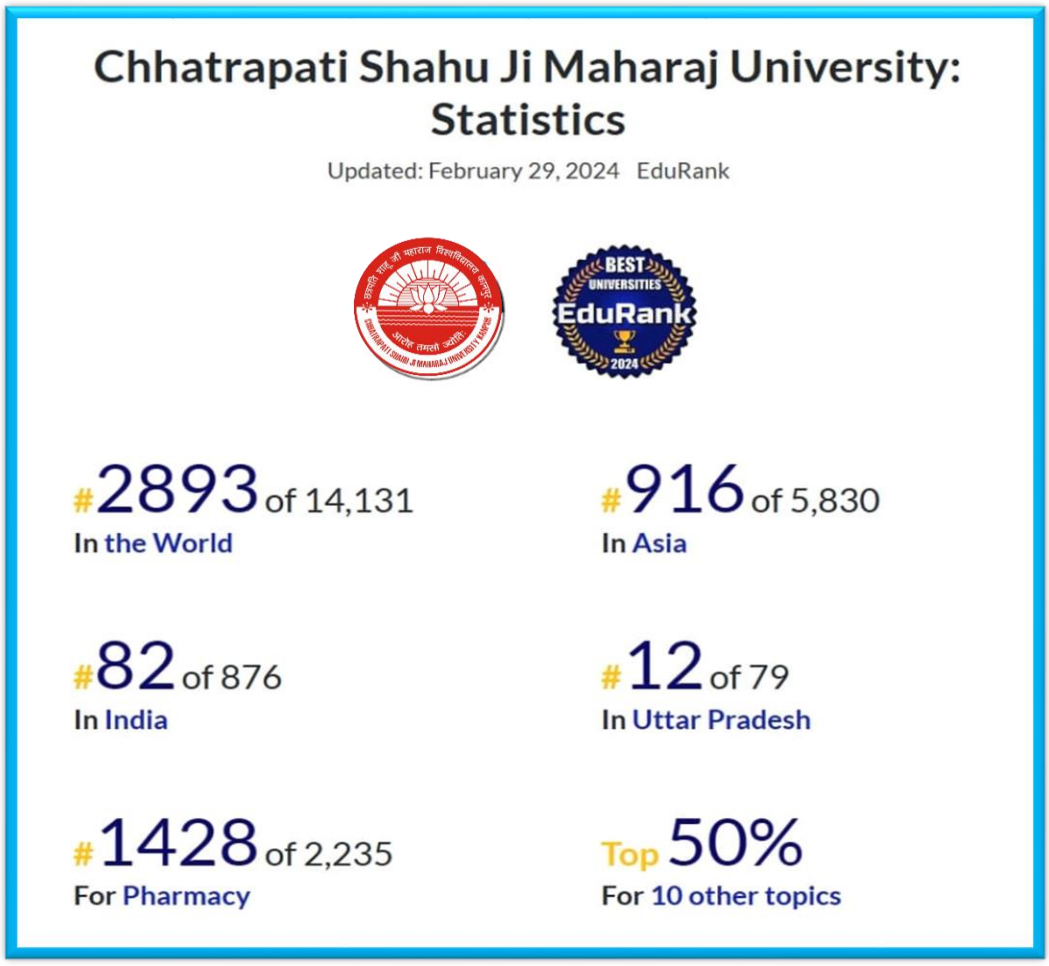

बता दें कि छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी कानपुर ने एडु रैंक वर्ल्ड रैंकिंग– 2024 में प्रदेश भर में टॉप 12 में अपनी जगह बनाई हैं। 3 अप्रैल 2024 को जारी रैंकिंग परफॉर्मेंस के इंडेक्स पर सीएसजेएमयू की इस उपलब्धि पर प्रदेश की राज्यपाल महोदया आनंदीबेन पटेल समेत अन्य उच्च शिक्षा विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने बधाई देते हुए निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं भी दी।

एडु रैंक वर्ल्ड रैंकिंग– 2024 में केंद्र एवं राज्य सरकार के शैक्षणिक संस्थान शामिल हुए थे। सीएसजेएमयू ने हाल ही में नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग के साथ–साथ यूजीसी क्राइटेरिया–1 में भी अपनी जगह बनाई थी। बेहतर शैक्षिणक वातावरण एवं उपलब्धियों के चलते विश्वविद्यालय ने एडु रैंक वर्ल्ड रैंकिंग–2024 में भी शानदार प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि नैक ए प्लस प्लस ग्रेडिंग के बाद विश्वविद्यालय देश–दुनिया के संस्थानों में और बेहतर अकादमिक उपस्थिति के साथ जाना जाएगा, यह हम सभी की प्राथमिकता है। हम एनआईआरएफ, क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में भी

मजबूत दावेदारी के साथ जाएंगे। इसके अलावा भविष्य में छात्रों, शिक्षकों के साथ शोध, नवाचार एवं सामाजिक सरोकार का बढ़ावा देंगे। बेहतर शैक्षणिक वातावरण का ही प्रभाव है कि विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में मौजूदा सत्र में तकरीबन दो हजार प्रवेश अधिक हुए थे।

देश में सीएसजेएमयू का 82वां स्थान

बता दें कि एडु रैंक वर्ल्ड रैंकिंग– 2024 में दुनिया भर के उच्च शिक्षा के 14,131 शैक्षिक संस्थान शामिल हैं। जिसमें सीएसजेएमयू की रैंकिंग 2893वी है। इसमें पूरे देश के 876 संस्थानों में सीएसजेएमयू ने 82वां स्थान हासिल किया है। 2024 की नवीनतम एडुरैंक वर्ल्ड रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर, सीएसजेएम विश्वविद्यालय ने प्रदेश भर के शीर्ष 12 विश्वविद्यालयों में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है, जिसने अपनी सराहनीय 12वीं रैंक के साथ कानपुर को सुर्खियों में ला दिया है। इस सम्मान पर राज्यपाल महोदया एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने बधाई दी, जिन्होंने विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति की सराहना की। इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने इसे संस्थान के लिए गौरव का क्षण बताया। सीएसजेएम विश्वविद्यालय का शीर्ष रैंकिंग में शामिल होना अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करने में इसके उल्लेखनीय प्रदर्शन को दर्शाता है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने जोर देकर कहा कि नैक ए प्लस प्लस ग्रेडिंग और यूजीसी श्रेणी–1 मान्यता प्राप्त करने के बाद, विश्वविद्यालय का लक्ष्य अपनी वैश्विक अकादमिक उपस्थिति को और बढ़ाना है। प्रो. पाठक ने राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और विश्वास व्यक्त किया कि सीएसजेएम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाना जारी रखेंगे। एडुरैंक वर्ल्ड रैंकिंग 2024 में 14,131 शैक्षणिक संस्थानों को शामिल किए जाने के साथ, सीएसजेएम विश्वविद्यालय का 12वां स्थान शैक्षिक परिदृश्य में इसकी प्रमुखता को रेखांकित करता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, अजीत डोभाल और एडमिरल विष्णु भागवत सहित कई उल्लेखनीय हस्तियों ने यहां से शिक्षा दीक्षा ग्रहण कर विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान बनाने में अपना योगदान दिया है।

फेसलेस स्टूडेंट सर्विसेज से युक्त एसएससी सेल

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में छात्रों की सभी समस्याओं का हल एक ही छत के नीचे करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल खोला गया। छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए साल 2021 के जुलाई माह में छात्र सहायता प्रकोष्ठ की भी स्थापना की गई। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम और जनहित गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित उच्च शिक्षा की सेवाओं की निरंतरता में कई कार्य (डिग्री, डुप्लीकेट मार्कशीट/ सर्टिफिकेट, करेक्टेड मार्कशीट/ सर्टिफिकेट, परीक्षा परिणाम, रोके गए/ रद्द/ अपूर्ण/ गलत, डिजिटल हस्ताक्षर के साथ जारी प्रमाण पत्र, नामांकन / माइग्रेशन/ प्रतिलेख, अनंतिम, और शैक्षिक दस्तावेज़ सत्यापन आदि), आदि किए गए ताकि छात्रों को एक पटल पर सारी सुविधाएं मिल सकें।

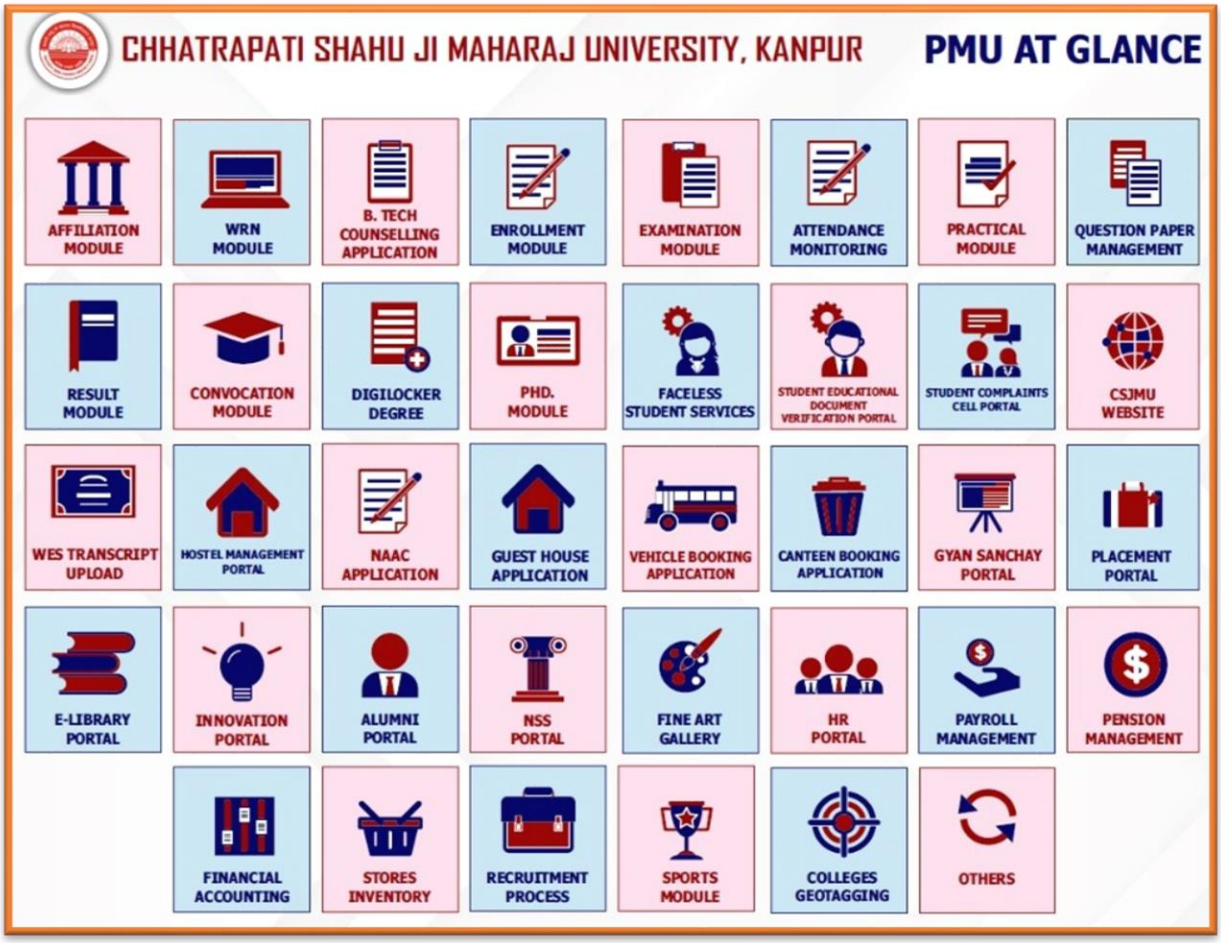

छात्र सहायता प्रकोष्ठ उपरोक्त सेवाएं ऑनलाइन मोड के माध्यम से हर दिन प्रदान कर रहा है। स्टूडेंट सपोर्ट सेल दो प्रमुख पोर्टलों के साथ काम कर रहा है। दोनों पोर्टल्स फेसलेस स्टूडेंट सर्विसेज और एजुकेशनल डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पोर्टल को यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट द्वारा ईआरपी के मॉड्यूल के रूप में विकसित किया गया है। एसएससी टीम और पीएमयू टीम पोर्टल को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए उपयोगकर्ताओं (छात्र और कर्मचारियों) की मांग के अनुसार पोर्टल को अपग्रेड/ अपडेट करने के लिए लगातार काम कर रही है। दोनों पोर्टल के सफल विकास के आधार पर विश्वविद्यालय को यू.पी. सरकार द्वारा नोडल विश्वविद्यालय बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। सीएसजेएमयू की इस सेवा को आधार मानकर राज्य सरकार उपरोक्त सभी छात्र संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के बीच एक एकीकृत मंच तैयार कर रही है।

सीएसजेएमयू की नई सौगात
आई.ओ.एल. के साथ ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आगाज

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर नित–नवीन नवाचारों को अपनाने और छात्र हित में नए प्रयोगों को आत्मसात करने का भरसक प्रयत्न कर रहा है। माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व में नैक ए प्लस प्लस ग्रेडिंग और यूजीसी से कैटेगरी वन हासिल करने के बाद विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में कदम बढ़ाने का फैसला किया है।

विश्वविद्यालय का मानना है कि प्रदेश और देश के हर छात्र को उचित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने का हक है। इसी धारणा को ध्यान में रखते हुए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर छात्र हित में दूरस्थ (डिस्टेंस एजूकेशन) शिक्षा के साथ ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने का उपक्रम शुरू करने जा रहा है।

इसके तहत बीए, बीकॉम, एमए और अन्य विषयों में को लेकर छात्र अपने शैक्षिक उपलब्धियों, अनुभवों और कैरियर को आगे बढा सकेंगे। दूरवर्ती और ऑन लाइन मोड में प्रवेश नए सत्र 2024–25 से जल्द ही शुरू होंगे। इसके लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के कुशल मार्गनिर्देशन में वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर संदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पूरी टीम काम कर रही है। दोनों माध्यमों के शुरू होने पर छात्र कम पैसों में गुणवत्तापरक शिक्षा घर बैठे हासिल कर सकेंगे।

ज्ञातव्य है कि सीएसजेएम विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा कैटेगरी 1 का विश्वविद्यालय घोषित करने के बाद इस तरह के पाठ्यक्रमों को खोलने में स्वायत्ता हासिल हुई है। नैक ए प्लस प्लस की ग्रेडिंग के बाद विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये जाने वाले इस तरह के पाठ्यक्रमों का शैक्षिक मूल्य अपने आप बढ़ गया है। यहां से शिक्षा प्राप्त करने के बाद छात्रों को प्रदेश और देश भर के अन्य संस्थानों में काफी वेटेज मिलेगा। यहां से शिक्षण प्राप्त करने के बाद मिली डिग्री को अब पूरे देश में और ज्यादा वरीयता दी जायेगी।

सीएसजेएमयू की डिजिटल विश्वविद्यालय की तरफ लम्बी छलांग

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर माननीय कुलपति प्रो0 विनय अकुमार पाठक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने प्रौद्योगिकी केंद्रित शिक्षा, मजबूत अनुसंधान, पारिस्थितिकी तंत्र, संस्थागत विशिष्टता और सामंजस्य पूर्ण सामाजिक विविधता के वैश्विक मानकों में स्थाई उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करते हुए नए आयामों तक पहुंचने के लिए तेजी के साथ अग्रसर है।

वर्तमान तकनीकी युग में जैसे–जैसे शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हो रही है, वैसे–वैसे शिक्षा को वैज्ञानिक आधार देने की आवश्यकता होने लगी है। क्योंकि प्रत्येक तकनीकी विकास का आधार शिक्षा ही है, शिक्षा की अवधारणा प्रमुखतः आधुनिकतम संकल्पना के रूप में समाज का सर्वांगीण विकास है। इसी क्रम में ज्ञान के संचय, प्रसार एवं विकास हेतु आधुनिकतम तकनीकों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सभी सरकारें तथा उच्च शिक्षा विभाग अनेकों बहुआयामी, चहुँमुखी व भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण से विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों को विश्वविद्यालयों के माध्यम से धरातल पर लाने के लिए कटिबद्ध है। शासन की मंशा एवं कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के दिशानिर्देशन में समाज व शिक्षा में अमूल चूल परिवर्तन को साकार करने के लिए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा विश्वविद्यालयी कार्यों के शत–प्रतिशत कम्प्यूटरीकरण हेतु अनेक डिजिटल इनीशिएटिव लिये गये हैं।

डाटा डिजिटाइजेशन : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जो अपनी स्थापना से अब तक पंजीकृत हुए सभी छात्रों के परीक्षा संबंधित आकड़ों का पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण पूरा कर चुका है।

एनईपी और गैर एनईपी ईआरपी पोर्टल : इन दोनों पोर्टल के अंतर्गत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में नई शिक्षा प्रणाली और गैर एनईपी से सम्बंधित सभी कार्य जैसे एडमिशन, परीक्षा फॉर्म, रिजल्ट प्रोसेसिंग, ऑनलाइन रिजल्ट एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं।

स्टूडेंट फेसलेस सर्विसेज : सम्बद्ध महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय परिसर में अपने छात्रों को विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने हेतु एक पोर्टल का निर्माण किया गया है, जिसके माध्यम से छात्र ऑनलाइन तरीके से स्वयं ही डिजिटल हस्ताक्षर किये हुए अंकतालिका, उपाधि पत्र, अस्थायी प्रमाण पत्र, प्रवजन एवं डुप्लीकेट मार्कशीट और डिग्री जैसे महत्वपूर्ण प्रपत्र डाउनलोड कर पा रहे हैं। अब तक लगभग एक लाख से अधिक फेसलेस डिजिटल सर्टिफिकेट सेवाओं से छात्र–छात्राएँ लाभान्वित हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन : एलुमनाई एसोसिएशन ने अपने वेब पोर्टल का शुभारंभ किया है। इसके माध्यम से न सिर्फ पूर्व छात्रों को जोड़ा जा रहा है, बल्कि उन्हें वह सब जानकारी भी प्रदान की जा रही है, जो उनको करियर बनाने में सहायक हो सकती हैं। अब तक लगभग 15000 पुरातन छात्रों को जोड़ा जा चुका है।

ज्ञान–संचय पोर्टल : डिजिटलीकरण की दिशा में अपने प्रयास में, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक और ज्ञान–संसाधनों के संचय के लिए ज्ञान–संचय पोर्टल का निर्माण किया है। अब तक ज्ञान–संचय पोर्टल पर 10119 से अधिक लेक्चर अपलोड किये जा चुके है।

प्लेसमेन्ट पोर्टल : विश्वविद्यालय में निर्मित इस पोर्टल के तहत विगत 03 वर्षों में अब तक पाँच हजार से ज्यादा छात्र–छात्रों को 25 से ज्यादा रोजगार मेलों व 150 प्लेसमेंट ड्राइव के जरिये रोजगार का लाभ दिलाया जा चुका है। प्लेसमेन्ट सेल लगातार छात्र–छात्राओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रयासरत है।

नवाचार (इनोवेशन) पोर्टल : छात्रों के लिए नवाचार में नयी गति प्रदान करने हेतु इस पोर्टल का निर्माण किया गया है। अब तक 14 से अधिक छात्रों के नवाचारों को उत्तर प्रदेश स्टार्टअप के तहत मंजूरी मिल चुकी हैं।

ई लाइब्रेरी : ऑनलाइन पुस्तकालय हेतु डिवाइस पोर्टल और मोबाइल फोन द्वारा पुस्तकालय तक पहुँच हेतु ई–पुस्तकालय एप उपलब्ध है, जिसमें लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया गया है, जिन्हें छात्र डाउनलोड कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

छात्रावास प्रबंधन प्रणाली : छात्रावास प्रबंधन के लिए पूरी तरह से स्वचालित समाधान, जिसमें कक्ष आवंटन, मेस शुल्क भुगतान आदि शामिल हैं, को शुरू किया गया है।

नैक एप्लीकेशन : आसान प्रारूप में नैक एस.एस.आर से संबंधित डाटा संग्रह एवं यह एप्लिकेशन आवश्यकतानुसार तुलनात्मक रिपोर्ट तैयार करने में भी सहायता करता है।

बी.टेक. काउंसलिंग एप्लिकेशन : यह एप्लिकेशन बीटेक काउंसलिंग प्रक्रिया को संचालित करता है। छात्रों द्वारा आवेदन करने से लेकर दस्तावेज सत्यापन और विभिन्न चक्रों में सीट आवंटन तक, सब कुछ ऑनलाइन है।

पी–एच.डी. मॉड्यूल : यह मॉड्यूल पी–एच. डी. प्रक्रिया को संचालित करता है। उम्मीदवारों द्वारा पी.एच. डी. प्रवेश से शुल्क भुगतान तथा सभी प्रकार की रिपोर्ट्स ऑनलाइन उपलब्ध रहती हैं।

उपस्थिति मॉड्यूल : इस मॉड्यूल के मदद से छात्रों की उपस्थिति प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है, संकायवार समय सारिणी से लेकर छात्र रजिस्टर और उनकी उपस्थिति के सभी कार्यो को ऑनलाइन किया जा रहा है।

ई–ऑफिस : पेंशन ऑटोमेशन मॉड्यूल, ह्यूमन रिसोर्स मॉड्यूल, इन्वेंटरी कण्ट्रोल मॉड्यूल, पे रोल मॉड्यूल का डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण हो गया है एवं ई–ऑफिस के मॉड्यूल का भी सफलता पूर्वक कार्यान्वित हो चुका है।

जियो टैगिंग : विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की जियो टैगिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिसमें कालेजों के मध्य भौगोलिक दूरी और वहाँ पर चल रहें पाठ्यक्रमों की पूरी जानकारी उपलब्ध हो रही हैं।

ऑनलाइन एनईपी और गैर एनईपी प्रैक्टिकल मॉड्यूल : इस मॉड्यूल में सभी प्रैक्टिकल से सम्बंधित कार्य जैसे टीचर्स की ड्यूटी से लेकर, अंक भरने के कार्य एवं भुगतान ऑनलाइन किये जा रहे हैं।

डीजीलाकर : विश्वविद्यालय ने छात्रों के अंकतालिका, प्रमाणपत्र, उपाधि पत्र इत्यादि को डिजिटली सुरक्षित रखने के लिए डीजीलाकर की सुविधा का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। इस सुविधा का उपयोग करते हुए छात्र छात्राएं अपने विविध डॉक्युमेंट्स को ऑनलाइन सुरक्षित रख सकते हैं।

डिजिटल मूल्यांकन : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के दूरदर्शी और प्रेरणादायक मार्गदर्शन में छात्रों और संकायों के लाभ के लिए नवीन प्रणालियों को अपनाकर इस विश्वविद्यालय को एक वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने के लिए अनूठी और सार्थक पहल की है। इस कड़ी में परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु ऑनलाइन स्क्रीन मार्किंग (ओ.एस.एम) मूल्यांकन प्रणाली को वर्ष 2021–22 से सफलतापूर्वक लागू किया है, जिसके अन्तर्गत परीक्षकों द्वारा आन–लाइन मूल्यांकन किया जाता है।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग : परीक्षा सम्बन्धी कार्यों की सी.सी.टी.वी. मानीटरिंग से नकलविहीन परीक्षा सम्पादित कराने में सहायता मिली है। परीक्षा की वीडियो रिकार्डिंग विश्वविद्यालय के डाटा सेन्टर में संरक्षित रहती है, जिसे आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध कराया जा सकता है।

वैश्विक शिक्षण सेवाएं : वैश्विक स्तर पर शिक्षण सुविधाओं के साथ एकीकरण के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक लर्निंग सामग्री भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

शैक्षणिक सहभागिता एवं एमओयू में अभूतपूर्व वृद्धि

यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में सीएसजेएम विश्वविद्यालय ने शैक्षिक उपलब्धियों में अभूतपूर्व वृद्धि की है। विश्वविद्यालय ने न सिर्फ में परिसर में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने का कार्य किया, बल्कि देश और प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों एवं अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग स्थापित किया है। इसी दौरान माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी को एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज का उपाध्यक्ष चुना गया। इससे विश्वविद्यालय को देश भर में एक अलग पहचान भी मिली तथा दूसरे विश्वविद्यालयों से जुड़ने का अवसर भी मिला। एआईयू द्वारा विश्वविद्यालयों के मध्य सांस्कृतिक, अकादमिक स्पोर्ट्स शोध आदि क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाता है। इस प्रकार के सहयोग से छात्रों, शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं हेतु इंटर्नशिप, अनुसंधान भागीदारी, अल्पकालिक पाठयक्रमों का निर्माण, व्यवसायिक प्रशिक्षण, संयुक्त तत्वावधान में सेमिनार एवं सम्मेलन के आयोजन के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

1. आईपीआर जागरूकता और नवाचार के उद्देश्य से 19 मार्च 2023 को व्यवसाय प्रबंधन स्कूल और आईपीआर जागरूकता और नवाचार प्रोत्साहन मंच के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
2. अनुसंधान, संयुक्त जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन, आदि के उद्देश्य से 21 अप्रैल 2023 को कानपुर प्लॉगर्स फाउंडेशन और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
3. प्लास्टिक कचरे के निस्तारण पर संयुक्त अनुसंधान के लिए, ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए 21 अप्रैल 2023 को ईपीआर रिसाइक्लर (श्री श्याम पैकेजिंग) और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, यूआईईटी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच समक्षौते पर हस्ताक्षर किए गए।
4. प्रशिक्षण, नवाचार प्रोत्साहन आदि के उद्देश्य से 0
5. 1 मई 2023 को व्यवसाय प्रबंधन स्कूल और आईपीआर जागरूकता और Beekay Enterprises और JBG के साथ समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
6. विश्वविद्यालय के छात्रों को भारतीय भाषाओं पर शोध करने का अवसर मिलेगा। जिसके लिए 31 मई को विश्वविद्यालय और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनिवर्सिटी के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
7. विभिन्न जागरूकता और कार्य–उन्मूख गतिविधियों के माध्यम से जलवायु सुधारात्मक कार्यों की दिशा में एक साथ काम करने के उद्देश्य से 22 जून 2023 को एनर्जी स्वराज फाउंडेशन और सीएसजेएम विश्वविद्यालय (यूआईईटी) के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
8. पृथ्वी विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर द्वारा सीएसजेएमयू परिसर का ड्रोन सर्वेक्षण और दोनों संगठनों के बीच 26 जून 2023 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गये।
9. दुनिया के अग्रणी ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर प्रदाता रेड हैट इंक और सीएसजेएस विश्वविद्यालय (यूआईईटी) के बीच 18 जुलाई, 2023 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों को गुणवत्तापर्ण शैक्षणिक क्रेडिट अर्जित करने और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करना है।
10. आईपी और टेक ट्रांसफर और व्यवसायीकरण गतिविधियों के लिए स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी और इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ऑर्गनाइजेशन (आई–टीटीओ), आईआईटी दिल्ली के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
11. दिनांक 8 सितंबर 2023 को स्कूल ऑफ साइंसेस और प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय, यूएसए के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
12. दिनांक 9 सितंबर 2023 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस और गायत्री परिवार के बीच समझौते के अंतर्गत संयुक्त रूप से वृक्षारोपण का कार्यक्रम संस्थान में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय इस समझौते के माध्यम से आध्यात्मिक और वैज्ञानिक समन्वय स्थापित कर स्वच्छ और सुंदर शैक्षिक वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिवद्ध है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का उद्देश्य सर्वदा ही छात्रों में वैश्विक मानकों के अनुसार योग्यता का निर्माण करना रहा है एवं आज के दौर मे इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग उसकी प्राथमिकताओं में से एक है। इस दिशा में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे छात्र/छात्राओं हेतु नवीन संभावनाएं उपलब्ध हो रही हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में समाहित भावना के अनुरूप भारत में विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं नए क्षितिज के द्वार खोलने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के आगमन ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के मध्य सहयोग के एक नए युग का आरंभ किया है। अंतरराष्ट्रीयकरण के इस नए युग में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय एक ओर वर्तमान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से जोड़ने का प्रयास कर रहा है एवं दूसरी ओर विश्वविद्यालय में चल रहे पाठ्यक्रमों को विदेशी छात्रों के लिए शिक्षा प्रदान करने के लिए आकर्षण का केन्द्र भी बन रहा है।

विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग (आईआरएसी) सेल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग की पहल को आगे बढ़ाया है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में विभिन्न गतिविधियों का आरंभ हुआ है एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता, आधुनिक शैक्षणिक विधाओं, अनुसंधान और नवाचार सुविधाओं के उन्नयन के साथ विश्वविद्यालय आगे बढ़ने के लिए तैयार है। अभी हाल ही में जिन विदेशी विश्वविद्यालयों से सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक समझौते हुए है, उनके विवरण निम्नवत हैः–

क्र0सं0	देश	विश्वविद्यालय/संस्थान
1	रूस	पेन्जा स्टेट यूनिवर्सिटी
		पेट्रोजावोडस्क स्टेट यूनिवर्सिटी
2	प्यूर्टो रिको	प्यूर्टो रिको की इंटर अमेरिकन यूनिवर्सिटी,
		स्पेकलैब, प्यूर्टो रिको विश्वविद्यालय
3	नेपाल	कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नेपाल
4	मलेशिया	अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, मलेशिया

परंपरागत शिक्षण के साथ संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं के आयोजन की रही लंबी श्रृंखला

माननीय कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की अगुवाई में विभिन्न संस्थानों से बहुत से सहयोग और समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये है। यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने विश्वविद्यालय में सेमिनार–कांफ्रेंसेज आदि के लिए विशेष व्यवस्थाएं की। उनके प्रोत्साहन से विभिन्न विभागों में बहुत से संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजन हो रहा है। इन कार्यशालाओं में हुए गंभीर चिंतन ने शिक्षकों को चिंतनशील, नवाचारी एवं विषय विशेष में निपुण बनने में सहायता की है। ये संगोष्ठी और कार्यशालाएं परंपरागत शिक्षण के अलावा छात्रों को विशेष शिक्षण ज्ञान प्रदान करने का माध्यम बन रही है। इन्हीं कार्यक्रमों की ऋंखलाओं का विवरण निम्नवत हैः–

संगोष्ठी एवं कार्यशालायें	तिथि
स्कूल ऑफ क्रिएटिव एण्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा भारत रत्न स्वर्गीय लता मंगेशकर जी को श्रद्धांजलि के रूप में स्मृति चित्रकला कार्यशला का आयोजन	07 फरवरी, 2022
संगीत विभाग द्वारा ''ठुमरी एवं दादरा'' (हाईब्रिड मोड) कार्यशाला का आयोजन	14–21 फरवरी, 2022
स्कूल ऑफ क्रिएटिव एण्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स और स्टेट ललित कला अकादमी, लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से 6 दिवसीय, राष्ट्रीय ढोकरा कार्यशाला का आयोजन।	19–24 फरवरी, 2022
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, यू0आई0ई0टी0 द्वारा ए0आई0सी0टी0ई0 – आई0एस0टी0ई0 द्वारा प्रायोजित 'मशीन लर्निंग' पर कार्यशाला का आयोजन।	18–24 फरवरी, 2022
केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, यू0आई0ई0टी0 और आई0आई0सी0एच0ई0 कानपुर क्षेत्रीय क्रेंद द्वारा CHEMCAD 8.0, DWSIM, SIMULINK, ANSYS आदि जैसे सॉफ्टवेयरों पर छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।	21–26 फरवरी, 2022
स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एण्ड सोशल साइंस द्वारा 'महिला उद्यमिता और विकास' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन।	08 मार्च,2022
कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, यू0आई0ई0टी0 द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में हिंदी और संस्कृत में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के उपयोग पर एक कार्यशाला का आयोजन।	25–31 मार्च, 2022
पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा 'विज्ञान एवं कृषि पत्रकारिता : अवधारणा एवं लेखन पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन	29 अप्रैल, 2022
होटल प्रबंधन विभाग द्वारा सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला (आतिथ्य उद्योग में रोजगार के अवसर) का आयोजन	04 मई, 2022
स्कूल ऑफ क्रिएटिव एण्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स और माया एकेडमी ऑफ एडवांस्ड सिनेमैटिक, कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से डिजिटल मूर्तिकला और डिजिटल पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन	05–06 मई, 2022
स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा 15 वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स का आयोजन	01–30 जून, 2022
समाज कार्य विभाग द्वारा सामुदायिक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स का क्रियान्वयन।	06–11 जून, 2022
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा 06 व्लैयू एडेड प्रोग्रामस और स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज द्वारा 7 वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स का आयोजन।	10–30 जून, 2022
स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर ''जलवायु और सामाजिक मुद्दों के लिए पर्यावरण इंजीनियरिंग में रुझान''	04 जून, 2022

संगोष्ठी एवं कार्यशालायें	तिथि
स्कूल ऑफ क्रिएटिव एण्ड परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा संकाय के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय व्यक्तिगत विकास कार्यशाला का आयोजन।	06 जून, 2022
स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के भौतिक विभाग द्वारा ''ग्राफीन और अन्य आयामी सामग्रियों का परिचय'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन	10 जून, 2022
व्लैयू एडेड कोर्स – अनुप्रयुक्त कला (ग्राफिक डिजाइन, फोटोग्राफी और तकनीकी सिद्धांत) का आयोजन।	13 जून, 2022
वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स पेंटिंग (अभी भी जीवन, परिदृश्य, रेखाचित्र और कला के मूल तत्व) का आयोजन।	14 जून, 2022
स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी द्वारा ''स्टार्ट अप के लिए नवाचार और स्वामित्व का महत्व'' विषय पर कार्यशाला का आयोजनं।	24 जून, 2022
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा पत्रकारिता की विभिन्न विधाओं से संबंधित 04 वैल्यू एडेड प्रोग्राम्स का आयोजन	04 जून 2022
विश्वविद्यालय की शिक्षा विभाग द्वारा सूक्ष्म शिक्षण विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन	20 मार्च, 2023
विश्व कविता दिवस के अवसर पर, अंग्रेजी विभाग (भाषा स्कूल) में Postmodernism : Critiquing the Vision of Enlightenment and Postcolonialism : Deconstructing Eurocen trism पर वार्ता का आयोजन।	21 मार्च, 2023
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में एफएम रेडियो कनपुरिया की आरजे सुजाता द्वारा रेडियो प्रोग्राम की बारीकियां एवं स्क्रिप्ट लेखन पर कार्यशाला का आयोजन	28 मार्च, 2023
फाइन आर्ट विभाग में पारंपरिक लघु चित्रकला विषय पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन	29 मार्च, 2023
भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद के सहयोग से समाज विज्ञान संस्थान में व्याख्यान माला का आयोजन	31 मार्च, 2023
शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत शिक्षण कौशल एवं पाठ योजना विषय पर व्याख्यान का आयोजन	01 अप्रैल, 2023
Unacademy के सहयोग से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी द्वारा EUciting career opportunities after Engineering विषय पर एक सेमिनार का आयोजन।	5 अप्रैल, 2023
शिक्षा विभाग में विश्व के प्रमुख धर्म एवं उनके संदेश विषय पर संगोष्ठी का आयोजन	10 अप्रैल, 2023
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी द्वारा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी पर एक सेमिनार का आयोजन।	24 अप्रैल, 2023
कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग द्वारा रेड हैट सॉफ्टवेयर पर वक्ता श्री संजय श्रीवास्तव, प्रमुख–सार्वजनिक क्षेत्र, एशिया प्रशांत क्षेत्र, रेड हैट द्वारा कार्यशाला का आयोजन।	26 अप्रैल, 2023
स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर सांइसेज में संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर एसपीएस खनूजा द्वारा विशेषज्ञ वार्ता जिसमें आईआईएमपीआर, सीएमएयूएंडटी के कई विदेशक, वैज्ञानिक और प्रोफेसर ने भाग लिया।	4 मई, 2023
स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में प्रिसिजन एग्रीकल्चर पर एक महीने का ऑनलाइन प्रशिक्षण	15 मई से 13 जून, 2023
हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिन्दी पत्रकारिता विषय पर उत्तर प्रदेश शासन के राज्य सूचना आयुक्त श्री नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव का बतौर मुख्य अतिथि व्याख्यान का आयोजन	30 मई, 2023

संगोष्ठी एवं कार्यशालायें	तिथि
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में सूएचवी कार्यक्रम के अंतर्गत आकांक्षाएं और चिंताएं विषय पर व्याख्यान श्री भानु प्रताप सिंह समन्वयक, विश्वविद्यालय यूएचवी सेल, द्वारा दिया गया।	21 जुलाई, 2023
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में विज्ञान प्रसार के प्रधान वैज्ञानिक एण्ड फैक्ट वेरीफिकेशन ट्रेनर श्री निमिष कपूर द्वारा डिजिटल फैक्ट वेरीफिकेशन पर कार्यशाला का आयोजन।	25 जुलाई, 2023
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में टी.वी पत्रकारिता की चुनौतियां और करियर विषय पर व्याख्यान का आयोजन।	28 जुलाई, 2023
स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी में आईपी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का महत्व पर कार्यशाला।	18 अगस्त, 2023
स्कूल ऑफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में श्रीमद्भगवत गीता श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन	18 अगस्त, 2023
प्रतिष्ठित नवोदित लेखक श्री शिवराम के द्वारा स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज द्वारा रचनात्मक लेखन की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए व्याख्यान	19 अगस्त, 2023
सीएसई विभाग द्वारा कैंपस से कॉर्पोरेट विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन	21 अगस्त, 2023
अटल बिहार बाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के छात्रों ने प्रसिद्ध मीडिया हाउस टीवी9 उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित चौपाल कार्यक्रम में भाग लिया।	27 अगस्त, 2023
गणित विभाग, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज में श्री उज्ज्वल खंडारी वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक डिजिटल एड द्वारा मेपल–2023 पर कार्यशाला का आयोजन	28 अगस्त, 2023
स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज में न्यूरोडायनामिक्स पर दो दिवसीय फिजियोथेरेपी कार्यशाला का आयोजन।	2, 3 सितंबर, 2023
शिक्षक दिवस पर श्री अश्वनी उपाध्याय एवं प्रो. देवब्रत गोस्वामी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान	5 सितंबर, 2023
स्कूल ऑफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा आर्ट गैलरी में कला प्रदर्शनी कला चर्चा का आयोजन।	5 सितम्बर, 2023

म्यूजिक बैंड : संगीत को मिला बढ़ावा, परिसर में बना सांस्कृतिक वातावरण'

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में वर्ष 2021 में माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने विश्वविद्यालय परिसर में सांस्कृतिक वातावरण बनाने, संगीत विभाग को नयी पहचान दिलाने व छात्र–छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा के विकास की दृष्टि से जहां एक ओर स्पिक मैके के विश्वविद्यालय चैप्टर का शुभारंभ करवाया तो वहीं दूसरी ओर युवा संस्कृति के संवर्द्धन, सुपोषण एवं शोध सुलभता की दृष्टि से विश्वविद्यालय में संगीत बैंड, संगीत स्टूडियो एवम् संगीत संग्रहालय की स्थापना करके एक बड़ा मंच प्रदान किया है एवं भविष्य के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न बड़े अवसरों के मार्ग प्रशस्त कर दिए हैं।

ललित कलाओं के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उन्नति एवं विकास हेतु कुलपति जी ने आधुनिकतम तकनीक पर आधारित उपयोगी वाद्य यंत्रों/उपकरणों के साथ तरंग नाम का संगीत बैंड तथा संगीत स्टूडियो स्थापित करवाये। विश्वविद्यालय का खुद अपना संगीत बैंड होने से विद्यार्थी न सिर्फ कानपुर नगर अपितु राष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं एवं महोत्सवों में सहभागिता करके विश्वविद्यालय का परचम फहरा रहे हैं। एक ओर संगीत बैंड, संगीत स्टूडियो के माध्यम से विश्वविद्यालय के आर्थिक विकास के द्वार भी खुल गए हैं तो दूसरी ओर संगीत संग्रहालय निरंतर दुर्लभ वाद्य यंत्रों का संग्रह करके भविष्य की पीढ़ी के लिए संकलित कर रहा है तथा संगीत के शोधार्थियों के लिए भी बहुत ही सहायक सिद्ध हो रहा है। आपने छात्र–छात्राओं की आवश्यकतानुसार संगीत विभाग बहुत सारे नवीन वाद्य यंत्र को उपलब्धता सुनिश्चित की और विभाग में आपने कुछ नवीन पाठ्यक्रम को भी शुरू करवाये।

सांस्कृतिक संवर्द्धन की दृष्टि से माननीय कुलपति जी अब तक के कार्यकाल में वर्तमान व आगामी पीढ़ी के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों हेतु संस्कृति विभाग एवं कुछ अन्य संस्थानों से सात शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) सम्पन्न होने साथ ही रामायण कॉन्क्लेव इत्यादि विभिन्न वृहद स्तरीय कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कार्यशालाएं, वैल्यू एडेड कोर्स इत्यादि संपन्न हुए। माननीय कुलपति जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में संगीत विभाग और तरंग म्यूजिक बैंड निरंतर सफलता के नये सोपान को गढ़ने में लगा हुआ है। संगीत विभाग की शैक्षणिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों के चलते विश्वविद्यालय छात्रों के आकर्षण का केन्द्र बनता जा रहा है।

शिक्षण–प्रशिक्षण के साथ खेल गतिविधियों में अभूतपूर्व इजाफा

पिछले वर्षों की तुलना में, विश्वविद्यालय में खोई हुई खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नई खेल नीति 2023 की शुरुआत और कार्यान्वयन के कारण सीएसजेएम विश्वविद्यालय के एथलीटों का अपने–अपने खेल आयोजनों में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।

एआईयू जोनल बेसिस भागीदारी

पिछले तीन सालों में इंटर कैम्पस, इंटर कॉलेजिएट स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में दिखाए गए कठिन अभ्यास और अटूट प्रयासों से चयनित होने के बाद और कोचों के अथक और समर्पित प्रयासों के मार्गदर्शन में कोचिंग शिविरों में चयनित खिलाड़ियों के पोषण के बाद खिलाड़ियों ने टीम में चयन प्राप्त किया। कुल मिलाकर सीएसजेएम विश्वविद्यालय ने 26 प्रमुख खेल विषयों में अपनी टीमें भेजीं, जिसमें कुल 45 टीमों ने एआईयू (उत्तर/केंद्र/उत्तर–पूर्व/अंतर क्षेत्र और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023) खेल टूर्नामेंट और चैम्पियनशिप के विभिन्न स्तरों पर भाग लिया। यह महत्वपूर्ण भागीदारी खेल प्रतिभा को पोषित करने और खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। 427 प्रतिभागियों ने जोनल स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें प्रभावशाली 105 खिलाड़ियों को निम्नलिखित स्पर्धाओं में इंटर जोनल स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए चुना गया है।

एक्वेटिक्स (एम) में कुल 08 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया और 5 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

तीरंदाजी (एम) : 05 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया, 4 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

तीरंदाजी (डब्ल्यू) : 03 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। 2 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

एथलेटिक्स (डब्ल्यू) : 16 एथलीटों ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप के लिए सीधे क्वालीफाई किया। सभी 16 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया। एथलीट चंचल अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में आठवें स्थान पर रही और खेलो इंडिया के लिए क्वालीफाई किया, जहां वह स्टीपल चेस (3000 मीटर) रन में भी आठवें स्थान पर रही।

बॉक्सिंग (एम) : 12 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। 2 एथलीटों (निशांत सहित) ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया, जिसमें निशांत चौथे स्थान पर रहे।

बॉक्सिंग (डब्ल्यू) : 8 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। 04 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया। एक मुक्केबाज तनीषा लांबा ने एआईयू इंटर जोन में स्वर्ण पदक हासिल किया और खेलो इंडिया के लिए क्वालीफाई किया, जहां वह आठवें स्थान पर रही।

क्रिकेट (एम) : सेंट्रल जोन इंटरयूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में 16 खिलाड़ियों ने भाग लिया। टीम ने रजत पदक हासिल किया और अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया, जहां वह पांचवें स्थान पर रहे।

जूडो (एम) : 6 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। 02 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

जूडो (डब्ल्यू) : 6 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया, 03 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया। सातवें स्थान पर रहने के साथ केवल सीमा यादव आगे बढ़ीं, जो खेलो इंडिया में पांचवें स्थान पर रहीं।

कराटे (एम) : 11 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। उत्तर–पूर्व क्षेत्र में टीम ने कांस्य पदक हासिल किया और अन्य सभी एथलीटों ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

कराटे (डब्ल्यू) : 09 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। सभी एथलीटों ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

ताइक्वांडो (एम) : 10 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। जिसमें 07 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

ताइक्वांडो (डब्ल्यू) : जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले 09 खिलाड़ियों में से 09 खिलाड़ियों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

भारोत्तोलन (डब्ल्यू) : 9 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। रजत पदक के साथ सना और 04 और एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया। केवल सना आगे बढ़ी, जिन्होंने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी कांस्य पदक हासिल किया।

कुश्ती (एम) : 14 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। जतिन ने रजत पदक हासिल किया और बाकी 04 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया। केवल जतिन आगे बढ़े, खेलो इंडिया में आठवें स्थान पर रहे।

कुश्ती (डब्ल्यू) : 6 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। 4 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

वुशु (एम) : 6 एथलीटों ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप के लिए सीधे क्वालीफाई किया। सभी 6 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

वुशु (डब्ल्यू) : 4 एथलीटों ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप के लिए सीधे क्वालीफाई किया। सभी 4 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

योग (एम) : 6 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। सभी 6 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया। टीम एआईयू इंटर जोन में नौवें स्थान पर रही।

तलवारबाजी (एम) : 4 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। सभी 4 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

तलवारबाजी (डब्ल्यू) : 3 एथलीटों ने जोनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। सभी 3 एथलीटों ने एआईयू इंटर जोन के लिए क्वालीफाई किया।

इसके अलावा, एआईयू (जोनल से इंटर जोनल लेवल) से चयनित होने के बादः–

कई राज्यों में 17 से 29 फरवरी 2024 तक आयोजित **खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स** (केआईयूजी) ने विश्वविद्यालयों को अपनी प्रतिभा और खेल भावना दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भाग लिया, खेल उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

सीएसजेएम विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के अनुकरणीय प्रदर्शन के परिणामस्वरूप प्रतिष्ठित खेलो इंडिया गेम्स में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए एआईयू (उत्तर/केंद्र/उत्तर–पूर्व/इंटर जोन) टूर्नामेंट 2023–24 में प्रतिस्पर्धा करने और पदक हासिल करने के बाद 05 व्यक्तियों का चयन किया गया।

विश्वविद्यालय के एथलीटों की उल्लेखनीय उपलब्धि उनके क्षमता और कौशल को रेखांकित करती है, जो सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई खेल नीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है। ये उपलब्धियां न केवल विश्वविद्यालय के भीतर प्रतिभा पूल को उजागर करती हैं, बल्कि सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर को राष्ट्रीय खेल क्षेत्र में एक अजेय दावेदार के रूप में भी स्थान देती हैं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की भागीदारी और प्रदर्शन खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए इसके समर्पण की पुष्टि करता है। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों की उपलब्धियां, उसके कोचों के मार्गदर्शन और प्रबंधन के समर्थन के साथ, विभिन्न खेलों में प्रतिभा को पोषित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

व्यक्तिगत खेल उपलब्धियां

जतिन राणा : राम साजन यादव द्वारा प्रशिक्षित, ने अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2023–24 में अपनी पिछली उपलब्धियों के आधार पर कुश्ती में 8वां स्थान हासिल किया।

तनीषा लांबा : डॉ. राजीव गोदारा द्वारा प्रशिक्षित, तनिषा ने मुक्केबाजी (महिला वर्ग) में 8 वां स्थान प्राप्त किया, जो उनके कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करता है।

चंचल : राहुल दीक्षित द्वारा प्रशिक्षित, एथलेटिक्स (3000 मीटर स्टीपलचेज़) में 8 वां स्थान हासिल किया, जिसमें उनके धीरज और कौशल पर प्रकाश डाला गया।

सना अंसारी : सर्वेंद्र यादव द्वारा प्रशिक्षित, भारोत्तोलन में एक प्रभावशाली तीसरा स्थान हासिल किया, जो अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता 2023–24 से विश्वविद्यालय की प्रशंसा में शामिल है।

सीमा : धर्मेंद्र कुमार चौहान द्वारा प्रशिक्षित, जूडो में अपनी दक्षता और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया।

टीम इवेंट्स

आर्यन राज, विशी विजय, कमल किशोर, फैजान (टीम काटा) : श्री विजय कुमार द्वारा प्रशिक्षित और कराटे में कांस्य पदक हासिल किया, जिसमें उनकी दक्षता और खेल भावना का प्रदर्शन किया गया। मध्य क्षेत्र में क्रिकेट टीम, डॉ. प्रभाकर पांडे और अभिषेक मिश्रा द्वारा प्रशिक्षित टीम दक्षता और खेल भावना का प्रदर्शन और प्रदर्शन।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स परफॉर्मेंस हाइलाइट्स :

जतिन राणा, तनीषा लांबा और चंचल : पोडियम फिनिश हासिल नहीं करते हुए, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में उनकी भागीदारी और समर्पण खेल उत्कृष्टता के लिए उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सना अंसारी : भारोत्तोलन में तीसरा स्थान हासिल करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो राष्ट्रीय मंच पर उनकी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है।
सीमा : जूडो में चौथा स्थान हासिल करना उनके कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना को रेखांकित करता है, जो इस आयोजन में विश्वविद्यालय की सफलता में योगदान देता है।

क्र0 सं0	खेल का नाम	इवेंट प्रकार	कर्तन	एथलीट का नाम	क्षेत्र – विशेष	पदक	प द	खेल का स्तर
1	Wt. भारोत्तोलन	व्यक्ति	महिलाओं	सना	उत्तर पूर्व जोन	चॉदी जैसा	द्वितीय	राष्ट्रीय
					अखिल भारतीय	-	इन्ट्रावी नस	राष्ट्रीय
					खेलो इंडिया	कांस्य पदक	तृतीय	राष्ट्रीय
2	मुक्केबाजी	व्यक्ति	महिलाओं	तनीषा लांबा	उत्तर पूर्व जोन	–	इन्ट्रावी नस	राष्ट्रीय
					अखिल भारतीय	सोना	मैं	राष्ट्रीय
					खेलो इंडिया	–	आठवीं	राष्ट्रीय
3	मल्लयुद्ध	व्यक्ति	महिलाओं	जतिन	उत्तर पूर्व जोन	–	इन्ट्रावी नस	राष्ट्रीय
					अखिल भारतीय	चॉदी जैसा	द्वितीय	राष्ट्रीय
					खेलो इंडिया	–	आठवीं	राष्ट्रीय
4	कराटे	व्यक्ति	रूप	आर्यन राजविशी विजयफैजन कमल किशोंर	उत्तर पूर्व जोन	कॉसा रंग	तृतीय	राष्ट्रीय
					अखिल भारतीय	–	–	राष्ट्रीय
5	झींगुर	व्यक्ति	रूप		मध्य जोन	चॉदी जैसा	द्वितीय	राष्ट्रीय
					अखिल भारतीय	–	इन्ट्रावी नस	राष्ट्रीय
कुल	**05 खेल**	**03 व्यक्ति 02 टीम गेम**	**03 महिलाएं 02 पुरूष**	**प्रतिभागियों 23**		**01 सोना 03 चांदी 01 कांस्य**		**राष्ट्रीय विश्वविद्या लय**

उल्लेखनीय उपलब्धि विश्वविद्यालय के एथलीटों की क्षमता और कौशल को रेखांकित करती है, जो सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर के माननीय कुलपति के अच्छे मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई खेल नीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

ये उपलब्धियां न केवल विश्वविद्यालय के भीतर प्रतिभा पूल को उजागर करती हैं, बल्कि सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर को राष्ट्रीय खेल क्षेत्र में एक अजेय दावेदार के रूप में भी स्थान देती हैं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की भागीदारी और प्रदर्शन खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए इसके समर्पण की पुष्टि करता है। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों की उपलब्धियां, उनके कोचों के मार्गदर्शन और आकस्मिक प्रबंधक के समर्थन के साथ, विभिन्न खेल विषयों में प्रतिभा को पोषित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। विश्वविद्यालय इस आयोजन को सफल बनाने में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए सभी प्रतिभागियों की सराहना करता है।

शिक्षा मंथन 2023 में शिक्षाविदों ने पेश किया प्रगतिशील शिक्षा का रोडमैप

शिक्षा मंथन–2023 का आयोजन माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा व मार्गदर्शन व कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में दिनांक 8–9 जुलाई, 2023 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में किया गया। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन एवं रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने हेतु प्रेरित करने के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों की समीक्षा करना भी रहा। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क, क्यू0एस0 एशिया रैंकिग, क्यू.एस. वर्ल्ड रैंकिंग में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एम. ओ.यू.), प्रशासनिक एवं परीक्षा पद्धति में आवश्यक सुधार, मातृभाषा में पुस्तक प्रकाशन, नवाचार, इनक्यूबेशन एवं स्टार्टअप, रोजगारपरक शिक्षा एवं जॉब प्लेसमेंट हेतु मंथन करना इस कार्यक्रम का उद्देश्य था।

माननीय कुलाधिपति महोदया ने सदा ही नैक मूल्यांकन, नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क, क्यू.एस. वर्ल्ड रैंकिंग हेतु उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों का मार्गदर्शन किया है, जिसके परिणाम स्वरूप अनेक विश्वविद्यालयों ने मूल्यांकन एवं रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है।

माननीय राज्यपाल जी ने प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए अथक परिश्रम किया है। समय–समय पर राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण तथा उनकी पूरी टीम के साथ माननीय कुलाधिपति जी ने समीक्षा बैठकों का आयोजन किया, जिसमें मुख्य रुप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का विषय केंद्र में रहा है।

शिक्षा मंथन–2023 कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री एवं अन्य माननीय मंत्रीगणों की अनवरत उपस्थिति ने कार्यक्रम के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति से उच्च शिक्षा से सम्बन्धित विषयों पर गम्भीर चिंतन सम्भव हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में माननीय कुलाधिपति महोदया के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में शिक्षा मंथन–2023 आयोजन समिति के समस्त सदस्यों तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की टीम ने अहम भूमिका निभाई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता के शिखर तक पहुँचने के लिए शिक्षा मंथन– 2023 एक सेतु का कार्य करेगा।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री, श्री बृजेश पाठक, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, श्री योगेन्द्र उपाध्याय, माननीय प्राविधिक शिक्षा मंत्री, श्री आशीष पटेल, माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा, श्रीमती रजनी तिवारी, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, आई0क्यू0ए0सी0 समन्वयक एवं विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 550 से अधिक शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया।

शोध कार्य एवं परियोजनाएं

भारत में विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालय स्तर पर प्रति वर्ष अनेक शोध कार्य हो रहे हैं तथा इन शोध कार्यो के निष्कर्ष शिक्षा जगत एवं समाज के लिए उपयोगी भी सिद्ध हो रहे हैं। शोध छात्रों को अन्वेषणात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है एवं समाज में व्याप्त बाधाओं को पहचानने एवं समाधान खोजने में सहायक होता है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न नवीन संसाधनों का सृजन किया गया है एवं उत्कृष्ट उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाओं का निर्माण किया गया है। उच्च स्तरीय शोध कार्य को प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षकों एवं शोध कर्ताओं को विशेष सहायता प्रदान करने का कार्य किया गया, जिसके लिए शिक्षकों को उनके शोध कार्य के लिए वित्तीय सहायता दिए जाने की व्यवस्था की गई एवं उच्च कोटि के शोध कार्य कर रहे शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया।

उत्कृष्टता की खोज की अपनी प्रवृत्ति के कारण, विश्वविद्यालय उच्च गुणवत्ता वाले अनुसन्धान पर बेहतर ध्यान देने के साथ अपने ज्ञान संसाधनों की निरंतर निगरानी और उन्नयन कर रहा है। विश्वविद्यालय परिसर की सबसे अद्वितीय विशेषता यह है कि प्रत्येक विभाग उत्कृष्टता केन्द्र बनाने, अनुसन्धान–प्रकाशनों को प्रोत्साहित करने और प्रामाणित कार्यो के आधार पर मौलिक विचारों को दर्शाने वाली परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। 21वीं शताब्दी में अनुसन्धान करने के लिए विभागों में नवीनतम और सबसे परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं है। विश्वविद्यालय में अनुसन्धान कार्यों के प्रोत्साहन हेतु पीएच.डी. कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है साथ ही संकाय सदस्यों को शोधकार्य के प्रकाशनों, सम्मेलनों में सहभागिता तथा विश्वविद्यालय, राज्य उच्च शिक्षा विभाग और अन्य केन्द्रिय अनुसन्धान संस्थाओं जैसे डी.बी.टी. डी.एस.टी. यू.जी.सी. ए.आई.सी.टी.ई. आई.सी.एस.एस.आर. आदि द्वारा समर्थित अनुसन्धान परियोजनाओं हेतु सहायता दी जाती है।

- वर्ष 2021–22, 2022–23 और 2023–2024 में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का सफलातापूर्वक संचालन किया गया।
- पीएचडी पाठ्यक्रम सत्र (2015–16) से लेकर आज तक शोधार्थी रहे समस्त शोधार्थियों की आकड़े कंप्यूटरीकृत किये जा चुके हैं तथा अब संदर्भित आकड़ों को Portal पर एक क्लिक के माध्यम से देखा जा सकता है।
- पीएचडी पाठ्यक्रम सत्र (2019–20), (2020–21) तथा (2021–22) में प्रवेशित समस्त शोधार्थियों का अंतिम परिणाम, उनके अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र के साथ निर्गत किया गया।
- पीएचडी पाठयक्रम सत्र (2021–22) में प्रवेशित समस्त शोधार्थियों शोध उपाधि समिति की संस्तुति पत्र निर्गत किये जा चुके हैं।
- शैक्षिक सत्र 2023–24, में 220 नवीन शोध पर्यवेक्षकों की सूची निर्गत की जा चुकी है।
- शोध को बढ़ावा देने के लिए ह्यूमन एथिकल समिति का निर्माण किया गया।
- शोध, शोधार्थियों, एवं शोध पर्यवेक्षकों को बढ़ावा देने के लिए इंसेंटिव पालिसी का निर्माण किया गया।
- शोध को बढ़ावा देने के लिए नई शोध प्रयोगशालाओं का निर्माण एवं शोधार्थियों के लिए काउंसलिंग सेशन का प्रावधान किया गया।
- नयी शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत सारे पीएचडी कोर्स वर्क विषयों के कोड्स निर्धारण किया गया।
- नयी शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के अनुक्रम में, राज्य विश्वविद्यालयों में सर्वप्रथम छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में पीएचडी सत्र 2023–24 में प्रवेश हेतु हिन्दू अध्ययन विषय को सम्मिलित किया गया।
- नयी शिक्षा नीति 2020 के समर्थन में, उद्योंगों एवं शैक्षणिक संस्थानों के संबंधों को पुष्ट करने तथा व्यावसायिकता के संपोषण एवं संवर्धन हेतु, राज्य विश्वविद्यालयों में सर्वप्रथम छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में पीएचडी सत्र 2023–24 में सी0ए0 व्यावसायियों को वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रबंधन विषय में प्रवेश हेतु अनुमति प्रदान की गयी है।

- पीएचडी के कोर्स वर्क के सभी विषयों के पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों को आधार बनाया गया है तथा पृथक रूप से 3 क्रेडिट का पाठयक्रम के रूप में वैश्विक मानवीय मूल्यों को सम्मिलित किया गया है।
- सामाजिक सशक्तिकरण के लक्ष्य से, सिंगल गर्ल चाइल्ड, वीर शहीदों के आश्रित विद्यार्थियों, विशेष दिव्यांगजन छात्रों हेतु पीएचडी सत्र 2023–2024 से अतिरिक्त सीट्स या वरीयता देने का प्रावधान किया गया है।
- नवीन शोध पर्यवेक्षको के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का प्रायोजन किया गया।
- शोधार्थियों की सुगमता के लिए शोध मित्र योजना का शुभारम्भ किया गया।
- ग्रिएवांस रेड्रस्सल समिति का शुभारम्भ एवं सुगमता से संचालन किया गया।
- अनुसंधान, शोधकर्ता और अनुसंधान पर्यवेक्षक को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन नीति का निर्माण किया गया।
- साहित्यिक चोरी को रोकने के लिए साहित्यिक चोरी निषेध नीति का निर्माण किया गया।
- पीएच.डी. छात्रवृत्ति प्रोसेस के फल संचालन के लिए शोध छात्रों द्वारा फैलोशिप प्रबंधन निकाय का निर्माण एवं सफल संचालन किया गया।
- श्रीमद भागवत गीता में पीएचडी के लिए प्रावधान किया गया।
- ई–लाइब्रेरी एप का प्रावधान थीसिस देखेने के लिए किया गया।
- पंडित दीन दयाल पर शोध करने वाले शोधकर्ताओं को थीसिस प्रबंधन के लिए 20,000 रू0 का प्रावधान किया गया।
- विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने के लिए 17 अगस्त 2023 को सीएसजेएमयू में हर गोबिंद खुराना जीवन विज्ञान अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस सुविधा का उद्देश्य अनुसंधान हेतु बुनियादी ढांचे के साथ प्रत्येक शिक्षक के लिए व्यक्तिगत प्रयोगशाला प्रदान करना है। 8000 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल के साथ 12 अनुसंधान प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें उन्नत वैज्ञानिक उपकरण हैं। वी0आर0 प्रयोगशाला भी उपलब्ध है।
- विश्वविद्यालय में 39 शिक्षकों को सी0वी0 रमन अनुसंधान योजना के अंतर्गत शोध रूपय 22,10,000/– का कुल अनुदान प्राप्त हुआ।
- विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षा परिषद से अनुदान प्राप्त करने हेतु शोध प्रस्ताव उपलब्ध कराये गए।
- स्कूल ऑफ साइंस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी के डॉ0 अखिलेन्द्र प्रताप भारती (डी0एस0टी0–एस0ई0आर0बी0) को एवं चंद्रेश शर्मा (डी0एस0टी0–एस0यू0आर0ई0) को शोध अनुदान वर्ष 2023 में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किया गया।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय परिसर और संबंद्ध कॉलेजों में उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने हेतु तत्परता से निम्नलिखित कार्य निष्पादित किये हैं–

- परिसर एवं महाविद्यालों के यू.जी. और पी.जी. शिक्षकों को शोध पर्यवेक्षक नियुक्त करने के लिए विश्वविद्यालय के पीएचडी अध्यादेश में संशोधन किया गया।
- विश्वविद्यालय परिसर के स्व–वित्तपोषित शिक्षकों को शोध गतिविधियों में सम्मिलित करने हेतु अध्यादेश में संशोधन किया गया।
- रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट पोर्टल का शुभारंभ हुआ।
- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सभी शोध पर्यवेक्षकों से आवेधन आमंत्रित किए गए।
- 2021 के पश्चात 2022 में भी पीएच.डी. प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए एवं प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिससे पीएच.डी. सत्र का नियमितीकरण संभव हो सका।

- प्री–पीएच.डी.कक्षाओं का संचालन ऑफलाइन ऑनलाइन मोड में किया गया एवं सभी व्याख्यानों को विश्वविद्यालय के वेब पोर्टल ज्ञान संचय पर अपलोड किया गया।
- अनुसंधान गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।
- 2019 बैच के रोके गए एवं अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए विशेष प्री–पीएच.डी. कक्षाओं का आयोजन किया गया परीक्षाएं आयोजित की गई एवं पर्यवेक्षक आवंटन करने के पश्चात आर.डी.सी. का सफल आयोजन किया गया।
- शिक्षकों के मध्य शोध हेतु सहयोगी गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न विषयों में शोध क्लस्टर बनाये गए, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के विख्यात शोधकर्ता सम्मिलित हैं।
- सभी आरडीसी कम आरएसी बैठकें एवं पीएच.डी. मौखिक परीक्षा का संचालन ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में किया गया।
- पीएचडी छात्रों के शोध की प्रगति की समीक्षा एवं उनके मार्गदर्शन हेतु विशेष आरडीसी बैठकें आयोजित की गई।
- शोध पत्र एवं परियोजना लेखन को सुगम बनाने हेतु ग्रामरली लेखन ऐप का ट्रायल सब्सक्रिप्शन लिया गया।
- शोध में साहित्यिक चोरी रोकने हेतु अंग्रेजी भाषा के साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर आईथेंटिकेट (टर्नटिन) को एवं अन्य 22 भारतीय भाषाओं जैसे– हिन्दी, उर्दू, संस्कृत आदि के लिए चेक फार प्लैग हेतु सॉफ्टवेयर का क्रय किया गया। विश्वविद्यालय एवं इनफ्लिबनेट के साथ हुए एमओयू के अन्तर्गत उरकुण्ड साफ्टवेयर निःशुक्ल विश्वविद्यालय को प्रदान किया गया है।
- विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय ने शोध सिंधु प्लेटफॉर्म पर इंस्टीटयूशनल रिपॉजिटरी के माध्यम से उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने हेतु 10131 इलेक्ट्रॉनिक थीसिस उपलब्ध कराई है, जिसे सी.एस.जे. एम.यू. ई–लाइब्रेरी ऐप के माध्यम से भी देखा जा सकता है। हाल ही में, विश्वविद्यालय ने शोध सिंधु प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक शोध प्रबंध उपलब्ध कराने में भारतीय विश्वविद्यालयों में 5वां स्थान और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इन सभी शोध प्रबन्ध को शोधगंगा इनफ्लिबनेट प्लेटफार्म से देखा जा सकता है।
- विश्वविद्यालय परिसर में पीएच.डी. छात्रों हेतु रामानुजन टीचिंग असिस्टेंटशिप का कार्य प्रक्रियाधीन है, जिसके अंतर्गत यूजीसी नेट उत्तीर्ण शोध छात्रों को 10,000/– रुपये की राशि उनके विभागीय शिक्षण एवं अन्य कार्यों में सहयोग के लिए प्रदान की जाएगी।

वर्ष 2021 में प्रथम बार पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा में निम्नलिखित विषयों को सम्मिलित किया गया।

- शैक्षणिक सत्र 2021–22 में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विज्ञान और मानविकी के छेत्र में कार्यरत शिक्षकों द्वारा प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में किये जा रहे प्रकाशनों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।
- शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु लघु शोध परियोजना, सी.वी. रमन अनुसंधान योजना का आरम्भ किया गया, जिसके अंतर्गत वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए एक लाख रुपये तक का वित्तीय अनुदान अनुमन्य किया गया। वर्ष 2022 में द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के पश्चात 50 शोध परियोजनाएँ को कुल 3640000/– रूपये का अनुदान विश्वविद्यालय के स्तर से स्वीकृत किया गया।
- विश्वविद्यालय परिसर में 25 शिक्षकों को उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत शोध हेतु रूपए 10665000/– का कुल अनुदान अब तक प्राप्त हुआ।
- उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद द्वारा शोध एवं विकास योजना के अंतर्गत अब तक 11 नियमित शिक्षकों को रूपए 2459100/– का कुल अनुदान प्राप्त हुआ।
- स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एण्ड बायोटेक्नोलॉजी के डॉ अखिलेंद्र प्रताप भारती को रूपये 50,00,000/– एवं डॉ. वी श्रीहर्षारचापुडी को 35,00,000/– रुपये का शोध अनुदान वर्ष 2022 में डीएसटी–एसईआरबी भारत सरकार, द्वारा स्वीकृत किया गया है एवं डॉ. प्रमोद कुमार यादव को रामलिंगास्वामी (डीबीटी) को रु. 10,50000/– का अनुदान प्राप्त हुआ है।

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ना सिर्फ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल देता है अपितु प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से अपने छात्रो के जीवन स्तर को भी सुधारने के प्रति संवेदनशील रहता है। यह विश्वविद्यालय दिन प्रतिदिन रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने एवं छात्रों के कौशल में सुधार करने के लिए उद्यमों से सहयोग करते हुए एक ऐसा वातावरण स्थापित करने का प्रयास करता है जिसमें रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। विश्वविद्यालय प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों में उपयुक्त कौशल निर्माण किया गया है एवं इसके अतिरिक्त उनके दृष्टिकोण एवं मूल्यों में उचित परिवर्तन लाते हुए समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ शीघ्रता से प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसरों को सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिसके परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय के छात्रों को अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं एवं बड़ी संख्या में छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ समय–समय पर व्यवसायिक आवश्यकताओं व अकादमिक ज्ञान के मध्य की दूरी को कम करने हेतु विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में इन्टर्नशिप आयोजित कर छात्रों की व्यवसायिक समझ व दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहता है। इसी क्रम में विगत वर्ष में छात्र–छात्राओं को कई प्रतिष्ठित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में इन्टर्नशिप करने के अवसर प्रदान किये। इनके संपर्क फाउंडेशन – Amar Ujala, RSPL, Mozo Hunt Private Limited, Technorbital Advanced Materials Pvt Ltd. Kanpur, Max & View Now, Microsoft, Cashpor Microcredit, Reliance Smart Money, Unlock Wealth Secrutites Limited, Kanpur प्रमुख थे।

विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के माध्यम से छात्रों मे उपयुक्त कौशल निर्माण किया गया है एवं इसके अतिरिक्त उनके दृष्टिकोण एवं मूल्यों में उचित परिवर्तन लाते हुए समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

हाईस्पीड इंटरनेट युक्त परिसर

यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का कैंपस पूरी तरह कैम्पस वाइड नेटवर्क से लैस कर दिया गया है। जिससे छात्र छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन इंटरनेट की सुविधा मिल सके। विश्वविद्यालय ने अपने अधिकांश परिचालन को आईसीटी सक्षम सेवाओं में स्थानांतरित कर दिया है, जो एक मजबूत बैकबोन कनेक्टिविटी का आग्रह करता है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने अपनी नेटवर्क कनेक्टिविटी का पुनर्गठन किया है जिससे प्रत्येक विभाग/कार्यालय/छात्रावास आदि को आच्छादित किया जा सके और उन्हें 24*7 इंटरनेट कनेक्टिविटी की उच्च उपलब्धता प्रदान की जा सके। इससे उत्पादकता, अनुसंधान गतिविधियों में वृद्धि होगी और शिक्षण के डिजिटल साधन उपलब्धता सुनिश्चित होगी। परिसर में सीखने का माहौल बना रहे। विश्वविद्यालय परिसर में आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर को फिर से पूर्ण रूप से परिभाषित किया गया है। जिसमे मजबूत, उच्च उपलब्धता, स्केलेबल और उच्च बैंडविड्थ नेटवर्क प्रदान करना और उच्चतम सुविधा मिल सके।

Laying of Fiber for covering entire University Campus

Ring-1

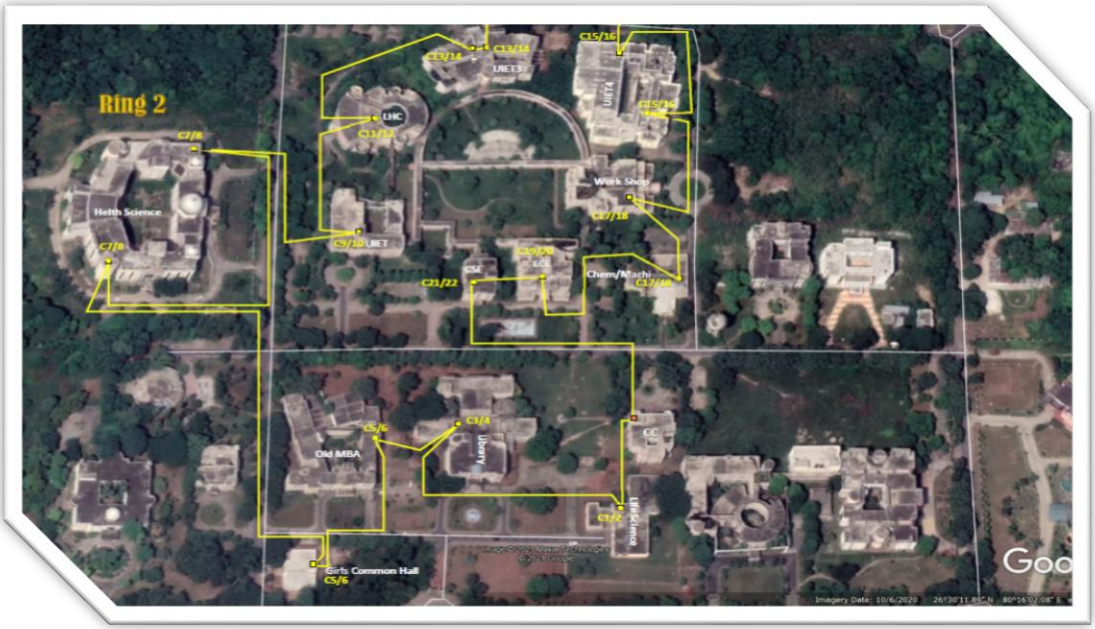

Ring-2

Ring-3

कैंपस वाइड एरिया नेटवर्क वायर्ड, वायरलेस कनेक्टिविटी और आईपी टेलीफोनी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार से लेकर परिसर के अंतिम छोर तक नेटवर्क उपलब्ध है। कैंपस में 24*7 नेटवर्क मॉनिटरिंग तैनात किए गए। उपकरण प्रसिद्ध ब्रांडों की उत्कृष्ट गुणवत्ता के हैं, जो नेटवर्क नियंत्रण कक्ष से प्रत्येक भवन तक सीधी फाइबर कनेक्टिविटी पूरे विश्वविद्यालय परिसर को रिडंडैंट मोड में 3 रिंगों में कवर किया गया है। इसमें मुख्य रूप से शैक्षणिक/प्रशासनिक/छात्रावास भवनों को कवर किया गया। सभी हॉस्टल वाई–फाई सक्षम विश्वविद्यालय परिसर में कुल लगभग 13 किलोमीटर तक फाइबर बिछाया गया है। 24*7 निर्बाध नेटवर्क और वॉयस कनेक्टिविटी के लिए नेटवर्क मॉनिटरिंग और आईपी पीबीएक्स सर्वर स्थापित किए गए। पूरे विश्वविद्यालय परिसर को कवर करने के लिए फाइबर बिछाया गया है।

अत्याधुनिक मीडिया सेंटर से मिली ई–लर्निंग को ऊंची उड़ान

अत्याधुनि मीडिया सेंटर में शिक्षा जगत से जुड़ी बहुउद्देशीय गतिविधियों को संचालित किया जाता है। इससे ई–लर्निंग प्रक्रिया को काफी गति मिली है। न्यूज बुलेटिन, डाक्यूमेंट्री निर्माण, वीडियो लेक्चर, शार्ट फिल्म, परमोशनल वीडियो एवं रील्स, साक्षात्कार एवं सजीव प्रसारण की सुविधा इसी मीडिया सेंटर के माध्यम से संचालित किया जाता है।

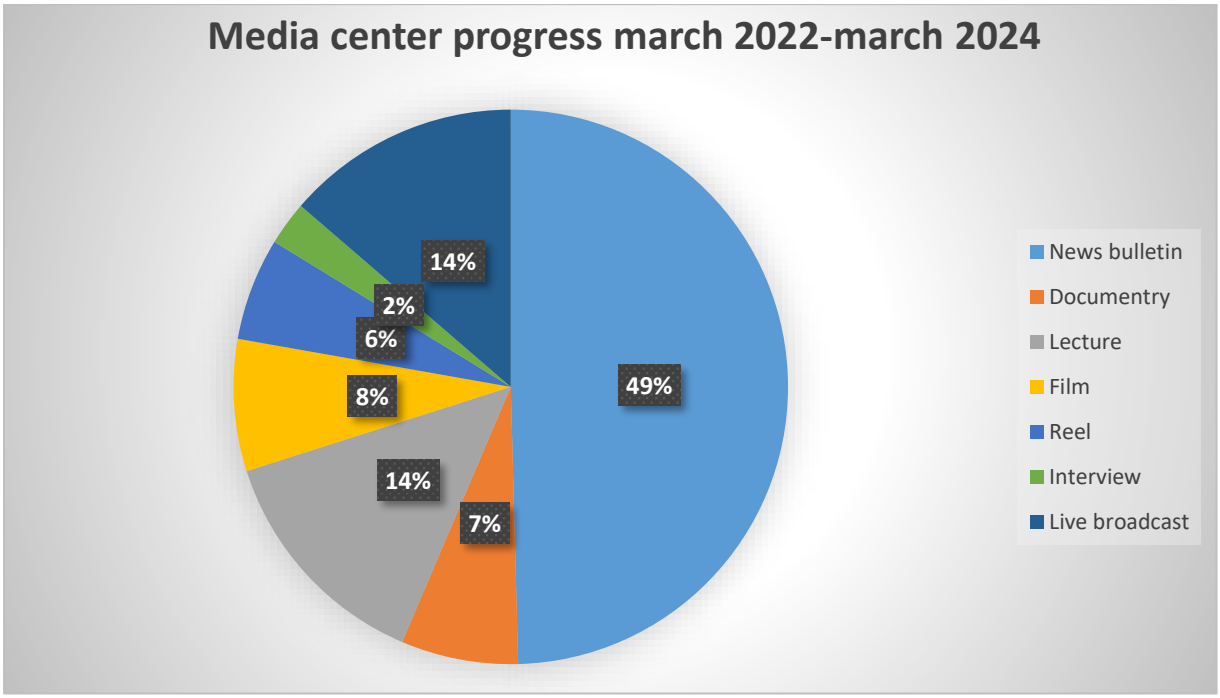

चरैवेति..चरैवेति..। सतत नवीन प्रयत्न और निरंतरता के साथ चलते रहना ही जिंदगी है। इसी प्रेरणा वाक्य के साथ छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग में स्थापित अत्याधुनिक मीडिया सेंटर कम स्टूडियो पिछले 03 सालों से लगातार सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रहा है।

पत्रकारिता शिक्षण–प्रशिक्षण हो या विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में होने वाली गतिविधियां, विश्वविद्यालय के सफलता के चरणबद्ध आयाम हों या छात्रों की कोई सामूहिक उपलब्धि, प्रेस कांफ्रेंस हो या विशिष्ट अतिथियों का दौरा, हर गतिविधि की पूरी और सुव्यवस्थित कवरेज करता है अत्याधुनिक मीडिया सेंटर। इस सेंटर के कुल तीन विभाग हैं– स्टेट ऑफ आर्ट 3 उप भागों में विभक्त टीवी स्टूडियो, 5जी वाई–फाई से सुसज्जित अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब और नवीन मीडिया लैब।

स्टेट ऑफ आर्ट टीवी स्टूडियो में कुल तीन पार्ट हैं– कूल लाइटिंग, 2 वेब कैमरों और एक टेलीप्राम्प्टर के साथ बहुध्रुवीय स्टूडियो, जिसमें समाचारों के प्रस्तुतीकरण के लिए एक स्टूडियो, साक्षात्कार के लिए एक अन्य स्टूडियो और व्याख्यान रिकार्डिंग के लिए तीसरा स्टूडियो शामिल हैं। इसके साथ सभी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रोडक्शन कंट्रोल रूम और एक पोस्ट प्रोडक्शन रूम और एक पार्श्व ध्वनि रिकार्डिंग कक्ष भी अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है।

इस मीडिया सेंटर में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की निरंतर प्रेरणा और उनके सतत मार्गदर्शन में एक ईएनजी (इलेक्ट्रानिक न्यूज गैदरिंग) यूनिट, जिसमें 3 गन माइक, 3 कैमरा और अन्य साजो सामान शामिल है, भी विश्वविद्यालय की निरंतर हो रही प्रगति के पदचिन्हों को संरक्षित करने का कार्य कर रही है।

पिछले तीन सालों में इस स्टूडियो से विश्वविद्यालय में होने वाले विभिन्न शैक्षिक कार्यकलापों, समितियों की बैठकों, समितियों के भ्रमण और दीक्षांत समारोह, सांस्कृतिक समारोह की कवरेज पर आधारित कुल 290 न्यूज बुलेटिन निर्मित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में हुए विभिन्न समाहोरों, आयोजनों, जयंतियों, उपलब्धियों को लेकर कुल 40 वृत्तचित्र (डाक्यूबमेंट्री) का निर्माण मार्च 2024 तक किया जा चुका है। इन वृत्तचित्रों में 20 ऐसे वृत्तचित्र भी शामिल हैं जो विभिन्न महापुरुषों के जीवन पर शोध आधारित हैं।

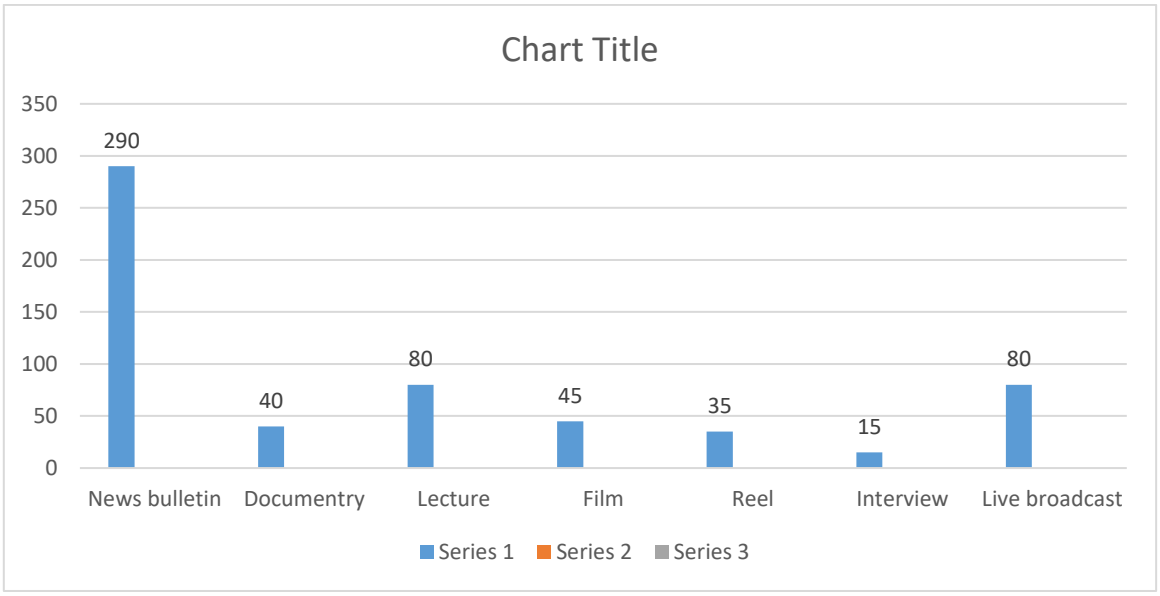

इसके साथ साथ विश्वविद्यालय के ज्ञानसंचय पोर्टल में अपलोड किए जाने और ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ साथ छात्रों के लिए स्टडी मैटिरियल उपलब्ध कराने की कुलपति माननीय प्रोफेसर

विनय कुमार पाठक के संकल्प को संपूरित करने हेतु विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के मार्च 2024 तक कुल 80 लेक्चर भी रिकार्ड किए जा चुके हैं।

मीडिया सेंटर द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए परिसर में चल रही शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेलकूद और चिकित्सा, प्रोत्साहन कैंप, मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य और शिक्षा के कार्यों सहित अन्य गतिविधियों से संबंधित कुल 45 शार्ट और फुल लेंग्थ फिल्में मार्च 2024 तक निर्मित किया जा चुका हैं।

विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी छात्रो, आमजन तक पहुंचाने के लिए मार्च 2024 तक कुल 35 रील्स का भी निर्माण इसी अत्याधुनिक मीडिया सेंटर में किया जा चुका है।

विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में पधारने वाले देश– विदेश के महत्वपूर्ण अतिथियों, शिक्षाविदों, मनीषियों, पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं, शासकीय गणमान्य अतिथियों के साक्षात्कार भी अत्याधुनिक मीडिया सेंटर में लिए गए हैं। इस तरह के कुल 15 साक्षात्कार मार्च 2024 तक स्टूडियो में रिकार्ड और संपादित किए गए हैं। ताकि भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत मनीषियों के ज्ञान को संचित, संरक्षित किया जा सके।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग का आंतरिक अंग होने के कारण अत्याधुनिक मीडिया सेंटर की जिम्मेदारी बनती है कि वह छात्रों को टीवी एंकरिंग, वाइस ओवर आर्टिस्टिंग, वीडियो संपादन, प्रोडक्शन कंट्रोल और रेडियो प्रस्तोता के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हे रेडियो, टीवी और नवीन मीडिया के लिए दक्षता प्रदान करे। इस क्रम में माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी की निरंतर प्रेरणा और मार्गदर्शन में मार्च 2022 से मार्च 2024 तक 275 से अधिक छात्रों को विभिन्न विधाओं में पारंगत किया गया है।

विश्वविद्यालय में होने वाले कुल 80 महत्वपूर्ण आयोजनों, समारोहों, प्रतियोगिताओं का यूट्यूब चैनल पर सजीव प्रसारण भी किया गया है। सबसे विशेष बात यह है कि इस मीडिया सेंटर में पत्रकारों के लिए वो सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं जो उन्हें अपने कार्य के दौरान आवश्यक होती है। विश्वविद्यालय के मीडिया सेंटर में लब्धप्रतिष्ठ विद्वान कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की प्रेरणा और उनके मार्गदर्शन में 4 सदस्यों की टीम समर्पण भाव से कार्य करती है, सीएसजेएमयू की सकारात्मक क्रियाकलापों के बारे में लोगों को बराबर जानकारी मिलती रहे और विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान और भी बेहतर बने।

समृद्ध पुस्तकालय : आफलाइन से ऑनलाइन तक

आधुनिकतम तकनीक के साथ–साथ लाखों की संख्या में पुस्तकें, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर में स्थित गणेश शंकर केन्द्रीय पुस्तकालय में माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी पिछले तीन वर्षों में अनेक प्रकार की आधुनिक तकनीक, संसाधन और सभी विषयों की हजारों नयी पुस्तकें मंगवाकर, सीएसजेएमयू ई–लाइब्रेरी मोबाइल एप लांच करवाया, जिसके द्वारा विद्यार्थी कहीं भी रहकर पढ़ाई कर सकता है, साथ ही कैंपस के विद्यार्थियों के लिए 24*7 अध्ययन के सुविधायुक्त बनाया गया है।

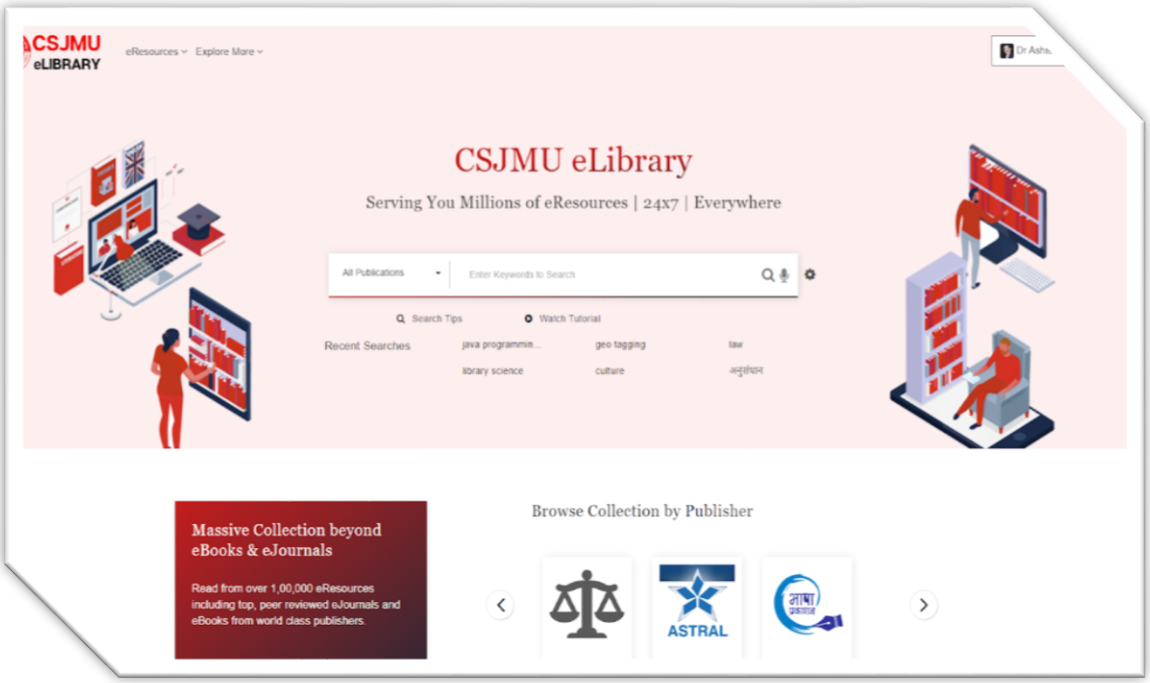

पुस्तकालय की सभी सेवाओं के स्वचालन के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक की शुरूआत करवायी। दुनिया के तौर–तरीकों के साथ बने रहने के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को नवीनतम प्रौद्योगिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित करवाया।

विश्वविद्यालय में शोध को मजबूत करने और शोधकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय में साहित्यिक चोरी की जांच सॉफ्टवेयर– आई–थेनटीकेट, चेक फॉर प्लैग एवं ड्रिलबिट द्वारा प्रारम्भ कराई गई। शोध को बढ़ावा देने हेतु स्कोपस डेटाबेस, प्रेसरीडर आदि जैसे गुणवत्तापूर्ण डेटाबेस का समृद्ध संग्रह जुड़वाया गया है।

छात्र लाइब्रेरी के प्रमुख स्थानों पर रखे गए कियोस्क जैसे स्मार्ट उपकरणों के माध्यम से सामग्री और संसाधनों का पता लगाने और उन तक पहुंचने में सक्षम हैं। बेहतर अनुभव प्राप्त करने के लिए लाइब्रेरी के सब्सक्राइब्ड डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है। उपयोगकर्ता गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से सीएसजेएमयू ई–लाइब्रेरी मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं और इसे अपने डिवाइस पर इंस्टॉल कर सकते हैं।

शोधगंगा सॉफ्टवेयर पर पीचडी थीसिस अपलोडिंग में सीएसजेएमयू ने प्रदेश में प्रथम और देश में पांचवा स्थान माननीय कुलपति जी के कुशल मार्गदर्शन में बना सका। विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने छात्रों के साथ–साथ अपने शिक्षकों तक बेहतर पहुँच प्रदान करने के लिए परिसर के मध्य में स्थित है।

नये क्लेवर में निखरा नवाचार प्रकोष्ठ

माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के प्रेरणादायी नेतृत्व में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में सृजित बौद्धिक संपदा के समसामयिक उपयोग एवं समाज उपयोगी कार्यक्रम संचालित करने हेतु नवोन्मेष एवं नवाचार विभाग को अति महत्वपूर्ण भूमिका एवं लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु शिक्षा मंत्रालय की योजना के अंतर्गत इंस्टीट्यूट इनोवेशन कॉउंसिल स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी विभागों में शिक्षण एवं अनुसंधान के साथ ही नवोन्मेष को भी गति प्रदान किया जा सके। पर्यावरण अनुकूल विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु इनोवेशन विभाग के अंतर्गत एक सशक्त प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जो हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण एवं एवं सॉलिड कचरा प्रबंधन जैसे समसामयिक विषय पर कार्यरत हैं। बौद्धिक संपदा अधिकार सृजन एवं संरक्षण हेतु विश्वविद्यालय एवं संबंधित महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकगण, शोधार्थी गण एवं छात्र छात्राओं को प्रबंधकीय सहायता एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। नवाचार हेतु सेक्शन 8 के अंतर्गत छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन नामक कंपनी का नियोजन किया गया है, जिसके माध्यम से भारत सरकार एवं राज्य सरकार की समस्त उपयोगी योजनाओं द्वारा विश्वविद्यालय समुदाय, पूर्व छात्र एवं समाज के नवोन्मेष स्थापित करने वाले उद्यमियों को प्रबंधन, विपणन एवं अनुसंधान संबंधी सहयोग प्रदान किया जा सके। अनुकूल वातावरण में कार्यालय स्थान एवं आधारभूत सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है। कार्यक्षेत्र में वृद्धि तथा उनके उत्तरोत्तर विकास हेतु आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के अवसर भी उपलब्ध करवाएं जा रहे हैं। नवोन्मेष गतिविधियों के द्वारा सेवायोजक के रूप में उद्यमियों का प्रादुर्भाव हर्ष का विषय है।

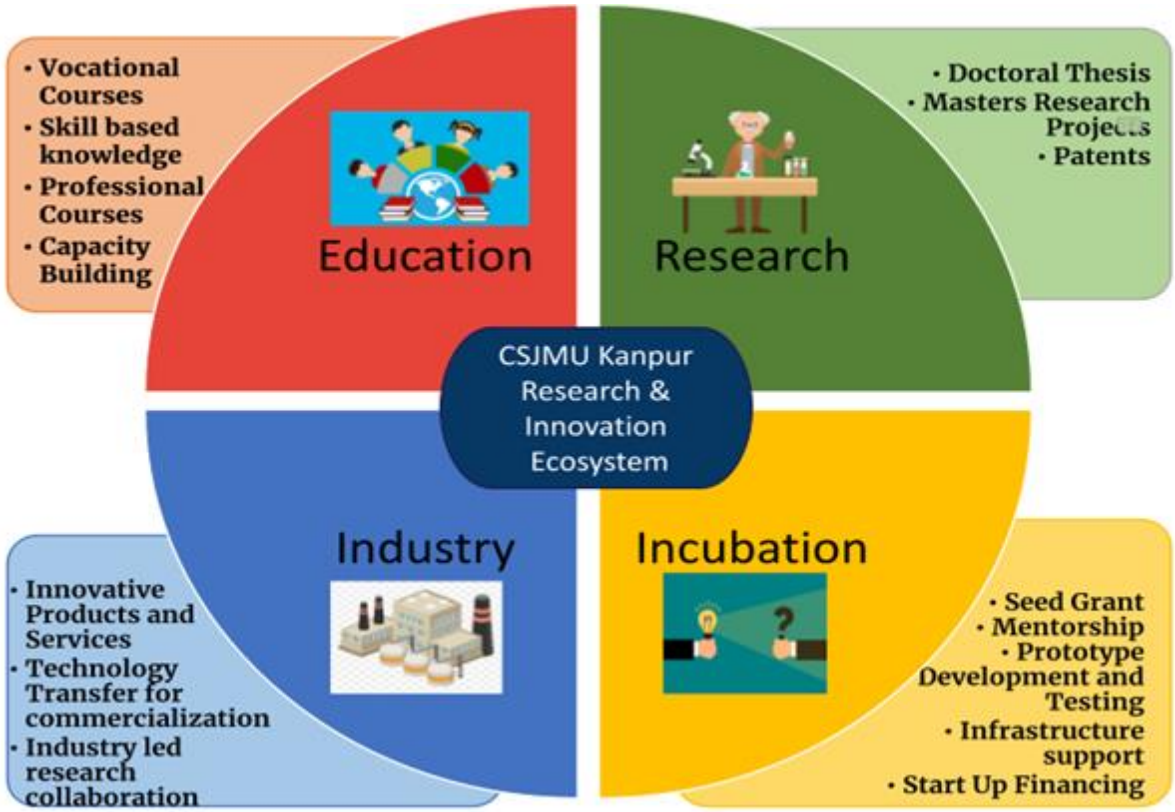

वर्ष 2019 में स्थापित इनोवेशन सेल (नवाचार प्रकोष्ठ) को माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की सदप्रेरणा से वर्ष 2021 में एक नई दिशा प्रदान की गई है। उक्त सेल के लिए विश्वविद्यालय परिसर में 10,000 वर्ग फुट का स्थान प्रदान किया गया, जिसमें इनोवेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप इन्क्यूबेशन सेल, (आई.ई.आई.सी.) को स्थापित किया गया है, ताकि उद्यमिता जैसे अति आवश्यक अव्यय को गति प्रदान की जा सके और नवाचार के माध्यम से नवीन विचारों को उद्योग रूपी वृक्ष के रूप में स्थापित किया जा सके। नवाचार और उद्यमिता के विकास हेतु जिस प्रकार के पारिस्थिकी तंत्र (ईको सिस्टम) की आवश्यकता है। उन सभी तत्वों का एकत्रीकरण एक ही स्थान पर किया गया है। इसी वर्ष आई.ई.आई.सी. को तीव्रता से आगे बढ़ाने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के यू.पी. स्टार्ट–अप के माध्यम से रु.1.50 करोड़ का अनुदान अगले पांच सालों (रूपये 30 लाख प्रति वर्ष) के लिए स्वीकृत हुआ है।

विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों द्वारा कई रोजगार अभियानों का आयोजन 25 अगस्त 2021 को किया गया, जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय से संबद्ध 70 महाविद्यालयों में नवाचार अधिकारियों की नियुक्त की गयी है, जिससे प्रदेश के सात जनपदों में विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को इस अवसर का लाभ प्रदान किया जा सके। आई.ई.आई.सी द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन लगातार किया जा रहा है, जिनमें प्रमुख कार्यक्रम हैकेथोन कोविड–19 एवं इनोवेशन चौलेन्ज 2021 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विद्यार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 08 सितम्बर 2021 को तथा निर्यात के क्षेत्र में विद्यार्थियों को जागरूक करने हेतु फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 15 सितम्बर 2021 को किया गया।

भारतीय कला में नवाचार के माध्यम से उद्यमिता का विकास विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन (23 एवं 24 नवम्बर, 2021) को सफलतापूर्वक किया गया। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित स्टैंडर्ड सेल की स्थापना एवं प्रख्यात उद्यमियो श्री सृजन पाल सिंह, संस्थापक अब्दुल कलाम सेंटर, श्री पुनीत पाण्डेय डी.एस.ई.यू., श्री राम मेहरोत्रा, जनरल मैनेजर नेरोजर नेरोलैक पेंट्स, श्री आदितेंद्र जायसवाल, सृजन संचार श्री जयवीर सिंह, सी.ई.ओ. अम्बर इण्टरप्राइजेज, डॉ. अशोक खोसला, डॉ. रंजीत चटर्जी, रेजिलिअन्स इनोवेशन (अकादमीय) सुश्री वैशाला बियाणी, संस्थापक निदेशक क्वालिटी डेकोज डिजाइन्स श्री पुनीत गर्ग, संस्थापक अनन्या वेलनेस आदि के साथ सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तियों को परामर्शदाता (मेंटार) के रूप में जोड़ने का काम तेजी से किया जा रहा है, जिनमें कुछ प्रमुख नाम है श्री सुधीप गोयनका डायरेक्टर, शुभम गोल्डी मसाले प्राइवेट लिमिटेड, श्री बलराम नरूला डायरेक्टर, जेटनेट वेयर लिमिटेड, श्री दिनेश अग्रवाल डायरेक्टर मोहिनी टी लीव्स प्राइवेट लिमिटेड, जिससे विद्यार्थियों के मध्य स्वरोजगार की विचारधारा को विस्तार प्रदान कर देश को आत्म निर्भर बनाने के साथ–साथ विकास के उच्च सोपानों तक पहुँचाने के प्रयास फलीभूत हो सके। इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन्क्यूबेशन सेल छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय एवं एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया, गांधीनगर के मध्य 26 नवम्बर 2021 को एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया के समक्ष हस्ताक्षरित किया गया, जिससे गुणवत्तापरक व्यवसायिक पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों तक पहुँचाये जा सके। इस कड़ी में अन्य प्रमुख समझौता ज्ञापन है– स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एस.आई.आई.सी.), आई.आई.टी. कानपुर और सृजन संचार के साथ सेन्टर फॉर स्किल नो–हाऊ इनोवेशन लीडरशिप एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट किया गया, जो कि रिसाइकिलिंग के माध्यम से उद्यमिता का विकास और पर्यावरण सुरक्षा के लक्ष्य पर केन्द्रित है।

कोविड 19 महामारी के दौरान सीएसजेएमयू बना कोरोना वारियर

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में मा. कुलपति जी की प्रेरणा प्रयासों एवं मार्गदर्शन से कोविड–19 टीकाकरण का कार्य दिनांक 11 अप्रैल, 2021 से स्वास्थ्य विभाग, कानपुर नगर के सहयोग से प्रारम्भ किया गया। 11 अप्रैल 2021 से लेकर 19 सितम्बर, 2021 तक विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में 22,152 व्यक्तियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावकों एवं कानपुर के आम नागरिकों का टीकाकरण निरंतर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र पर किया गया।

कोविड–19 टीकाकरण उत्सव (11–14 अप्रैल) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थियों ने विभिन्न टीकाकरण केन्द्रों पर जा कर टीकाकरण के कार्य में सहायता की, उन्होंने नागरिकों को टीकाकरण करवाने हेतु प्रोत्साहित किया। टीकाकरण के संबंध में संस्थानों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने वेबसाइट पर एक पटल प्रारम्भ किया है। विश्वविद्यालय व महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को निरंतर प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपने साथ–साथ अपने परिवार के अन्य लोगों का भी टीकाकरण कराये। विश्वविद्यालय के एनएसएस व एनसीसी से जूड़े हुए छात्र सोशल मीडिया के माध्यम से टीकाकरण के संबंध में जागरूकता के लिए प्रयास किये गये।

स्वास्थ्य केन्द्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेलीफोन पर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श

दिनांक 17 अप्रैल 2021 से विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में आने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों के प्रकोष्ठ के माध्यम से विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, उनके परिजनों तथा कानपुर के आम नागरिकों को टेलीफोन पर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा प्रारम्भ की गयी। कोरोना की द्वितीय लहर के दौरान हजारों व्यक्तियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

कोविड–19 की द्वितीय लहर के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा प्रदान की गयी सुविधा। दिनांक 04 मई, 2021 से 31 मई, 2021 तक प्रातः 8.00 बजे से सायं 8.00 बजे तक विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा उनके परिजनों को चिकित्सकीय परामर्श तथा अन्य उपचार की सुविधा प्रदान की गयी। दिनांक 01 जून 2021 से विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केन्द्र प्रातः 9.00 बजे से सायं 5 बजे तक निरंतर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा टेलीफोन से विश्वविद्यालय परिसर के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी नियमित रूप से ली गयी तथा आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों व उनके परिजनों हेतु एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

माननीय कुलपति जी के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से विश्वविद्यालय में कोविड पाजिटिव/कोविड लक्षण वाले मरीजों को निःशुल्क दवा उपलब्ध करायी गयी। इसके अतिरिक्त चिकित्सकीय सहायता (दवा, आक्सीजन, प्लाज्मा आदि) भी संबंधित मरीजों को प्रदान की गयी।

भव्यता के साथ निखरा योग शिक्षा के साथ और योग दिवस का उत्सव

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में योग विषय में माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से योग से बी.एससी., एम.एससी., एम.ए., पी.जी. डिप्लोमा और पीएच.डी. के नये कोर्स शुरू किए गए। इसके अलावा वर्ष 2021 में 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया, वर्ष 2022 में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाया गया। जिसमें देश के विशिष्ट योग विद्वानों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से 10 व्याख्यान, 108 सूर्य नमस्कार की प्रतियोगिताएं, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक माह का योग प्रशिक्षण शिविर, योगासन प्रतियोगिता और योग दिवस पर प्रोटोकॉल का अभ्यास विश्वविद्यालय के रोजगार्डेन में संपन्न हुआ। योग दिवस के उपलक्ष्य पर योग महोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग विषय के विद्वान पद्मश्री से सम्मानित स्वामी भारत भूषण महाराज जी ने भाग लिया।

योगोत्सव एक नज़र में

योगोत्सव पर कुल कार्यक्रम	– 725
योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम	– 703
सहयोगी संबद्ध महाविद्यालय	– 603
सहभागी गाँव	– 77
सहभागी बस्तीयाँ	– 19
सहयोगी संस्थाएं	– 12
सहभागी संख्या	– 1 लाख 75 हजार 762

मुख्य आकर्षण – जलयोग प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता, गर्भावस्था एवं योग, कत्थक योग।

जबकि वर्ष 2023 में मनाये गये '9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' की थीम ''वसुधैव कुटुम्बकम (सम्पूर्ण पृथ्वी एक परिवार)'' को बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। जिसको लेकर मा. कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने भी विभिन्न धार्मिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विश्वविद्यालय से संबद्ध सातों जिलों के सभी महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर 30 दिनों के लिये 30 कार्यक्रमों–श्वासों द्वारा मन पर नियंत्रण, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व, लाइफ स्टाइल संबन्धित रोगों का योगिक प्रबंधन, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व, योग द्वारा नाभि और गर्भाशय कैसे बिठायें, आहार एवं योग, योग विज्ञान : अध्यात्म और संभावनाएं, योग द्वारा जीवन शैली एवं तनाव प्रबंधन, रोल ऑफ योगा एण्ड मेडिटेशन इन मैनेजमेंट ऑफ ऑटोइम्यून डिजीज एलांग विद आयुर्वेदा एवं रोल ऑफ भुजंग आसन इन ट्रीटमेंट ऑफ स्पाइनल एलीमेंटस एलांग विद आयुर्वेदा आदि विभिन्न विषयों पर कार्यशालायें, पोस्टर मेकिंग, योगसूत्र पर आधारित प्रश्नोत्तरी, रंगोली, जलयोग प्रतियोगिताओं, नदी किनारे वोट क्लब के साथ ही जिला कारागार में कैदियों के साथ, नानाराव पार्क में एनसीसी कैडेटों के साथ, ग्रामीण व सेवा बस्तियों के लोगों के साथ, सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ, विश्वविद्यालय परिसर स्थित रोज गार्डन में शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास के कार्यक्रमों की बृहद रूपरेखा तैयार कराकर उसी स्वरूप में आयोजन भी कराया गया। जिसमें मा. कुलपति जी की प्ररेणा से योगोत्सव के दौरान 725 कार्यक्रम जिसमें 603 सहयोगी संबद्ध महाविद्यालयों समेत 77 गावों एवं 19 बस्तियों के लोगों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। जिसमें 12 सहयोगी संस्थाओं ने सहयोग किया और जिसके फलस्वरूप 01 लाख 75 हजार 762 मिलकर योगोत्सव को सफल बनाया। योगोत्सव में मुख्य आकर्षण कत्थक योग, जलयोग प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता रही।

योगोत्सव के माध्यम से समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में योग से जुडने एवं योग, आसन एवं प्राणायाम से होने वाले फायदों के विषय में जागरूक भी किया गया। योगोत्सव का समापन कत्थक योग एवं विजय प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण के साथ किया गया

सीएसजेएमयू में हुआ कबाड़ से कमाल

माननीय कुलपति जी के संरक्षण में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने पिछले 3 वर्ष में एक अभियान कबाड़ से कमाल का कार्यक्रम शुरू किया। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी ने मैकेनिकल अनुरक्षण कार्यशाला के प्रभारी डॉ. प्रवीण भाई पटेल के साथ एक बैठक कर कबाड़ से कमाल कार्यक्रम शुरू करने निर्देश दिया। जो मकैनिकल अनुरक्षण कार्यशाला द्वारा एक सराहनीय कदम है, जो दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करता है। कबाड़ को फेंकने से पहले, हमें उसके उपयोग के बारे में सोचना चाहिए। जिससे हम इसे उपयोगी बना सकते हैं और अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हम सभी अपनी उपयोग की अवधि पूरी कर चुके चीजों को फेंकने की बजाय उन्हें ठीक करने या उन्हें दोबारा उपयोग में लाए गए है। यह कदम भविष्य के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश है, क्योंकि हमें इससे यह संदेश मिलता है कि अपने सभी संसाधनों का उपयोग सही ढंग से करना चाहिए। हमें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने संसाधनों को संभालना चाहिए और उन्हें बिना आवश्यकता के फेंकने की बजाय उन्हें दोबारा उपयोग में लाने की कोशिश करनी चाहिए।

उल्लेखनी है कि कबाड़ से निर्मित संसाधनों को यदि बाजार से खरीदा जाता उत्पाद का खर्च रूपये 1,92,84,100/– होता। इसके बाद भी, विश्वविद्यालय के मकैनिकल अनुरक्षण कार्यशाला ने कुर्सियों, मेजों, सोफों और अन्य फर्नीचर को मरम्मत कर ठीक किया है और उन्हें उपयोगी बनाया है। इस प्रक्रिया में, विश्वविद्यालय को रूपये 1,86,28,210/– रुपये बचाए गए हैं। इस कार्यक्रम से न केवल विश्वविद्यालय का खर्च कम हुआ है, बल्कि इससे पर्यावरण की दृष्टि से भी फायदा हुआ है, क्योंकि इसमें चीजों को फिर से उपयोग में लाया गया है जो कचरे में जा सकती थीं।

इस कार्य को करने में मैकेनिकल विभाग के छात्र और कार्यशाला कर्मियों की मदद से इस अभियान कबाड़ से कमाल पूर्ण किया गया है। जिसमें स्क्रैप से टेक्नोलॉजी ट्री, हाथी, टूटी हुई कुर्सियों को नया रूप, लाइट के खंभों को रिपेयर करना आदि सामान शामिल है।

विश्वविद्यालय में विद्युतीय ऊर्जा में आत्मनिर्भरता के निमित्त बढ़ा मजबूती से कदम

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने यशस्वी कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के नेतृत्व में पिछले तीन सालों में देखते–देखते विद्युतीय ऊर्जा के क्षेत्र में मजबूती से कदम बढ़ाये हैं। अब न सिर्फ परिसर की जरूरतों के बिजली की उपलब्धता को सुनिश्चित करने का कार्य किया जा रहा है, बल्कि आने वाले समय में आस–पास के क्षेत्रों में भी बिजली की उपलब्धता के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी में है। शैक्षिक गुणवत्ता के जरूरतों और उत्कृष्टता के लिए पर्याप्त बिजली की उपलब्धता नितांत जरूरी भी था। ऊर्जा की आत्मनिर्भरता और जरूरत को माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी बखूबी ध्यान देना शुरू किया। उन्होंने यह सोचा कि कैसे शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है, कैसे प्रयोगशालाओं में बिजली की निर्बाध उपलब्धता बनी रहे। कैसे क्लासरूम और कम्प्यूटर लैब आदि में बिजली की कमी न होने पाये। इसी को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने 2021 से ही विश्वविद्यालय में इसकी मजबूत आधारशिला रखनी शुरू कर दी और वर्तमान में इसका यह प्रभाव है कि विश्वविद्यालय प्रशासन को अब 50 प्रतिशत से अधिक बिजली उपभोग करने के लिए कार्बन मुक्त सोलर ऊर्जा मिल रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के 26 शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवनों को सोलर पैनल से आच्छादित किया जा चुका है, जिससे हमारे विश्वविद्यालय ने बिजली बचाने में योगदान देना शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के आने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक गतिविधियों में काफी इजाफा हुआ। कई नये विभाग बने। छात्रों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होनी शुरू हुई। कई शैक्षणिक भवनों का निर्माण हुआ। प्रयोगशालाओं के निर्माण के साथ पूर्व में स्थापित प्रयोगशालाओं और कम्प्यूटर लैब को उच्चीकृत किया गया। इस हेतु विश्वविद्यालय में विद्युतीय ऊर्जा की जरूरतों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई। इसके लिए केस्को से नये ट्रांसफार्मर लिये गये। परंतु बिजली की कुछ न कुछ दिक्कतें आये दिन होती ही रहीं। इसी के दृष्टिगत स्थायी उपाय के तौर पर कुलपति जी ने सोलर ऊर्जा की तरफ अपना ध्यान केन्द्रित करना शुरू कर दिया और वर्तमान में यह कानपुर में सर्वाधिक सोलर ऊर्जा उत्पादन केन्द्र के रूप में उभर रहा है। इस समय विश्वविद्यालय में दो मेगावाट की सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किया गया है। सोलर पैनल की मदद से इस समय 9000 से 15000 यूनिट की बिजली का उत्पादन रोजाना किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप लगभग 60 हजार रुपये से अधिक लागत की प्रतिदिन और औसतन 15 से 20 लाख रुपए महीने के बिजली बिल में कमी आयी है। कार्बन मुक्त सोलर ऊर्जा के कारण विश्वविद्यालय का वातावरण भी काफी स्वच्छ और पर्यावरण फ्रेंडली हुआ है। विश्वविद्यालय के बिजली विभाग का कहना है कि बिजली की उपलब्धता की स्थितियों में निरंतर और सुधार होता जा रहा है।

इसके साथ–साथ विश्वविद्यालय में विद्युत विभाग में ट्रांसफार्मर को अपग्रेड करने का भी कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में पहले 1.5 मेगावाट के दो ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध थे, अब कुलपति जी के प्रयासों से 5 मेगावाट का बड़ा ट्रांसफार्मर भी स्थापित किया गया। जिसके कारण विश्वविद्यालय में बिजली की उपलब्धता के मामले में निश्चिंतता बढ़ी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 06 पावर हाउस सबस्टेशन है, जिसमें एक 33/11 केवीए का है और पांच 11/4.33 केवीए का कार्यशील अवस्था में है। इसी के साथ सभी सब स्टेशनों को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य किया गया है। इसका यह फायदा है कि कोई एक सबस्टेशन में खराबी होने पर दूसरे सबस्टेशन से कुछ ही समय में जोड़कर बिजली की उपलब्धता को निर्बाध बनाये जाने में आसानी रहती है। कुल मिलाकर बिजली की उपलब्धता में विश्वविद्यालय ने अपनी बिजली खुद बनाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, बचत के साथ–साथ विश्वविद्यालय स्वस्थ एवं सुंदर एवं ऊर्जायुक्त सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा सोलर ऊर्जा के उत्पादन की वृद्धि को देखते हुए बताया जा रहा है आने वाले समय में विश्वविद्यालय अपने आस–पास के क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता को बनाये रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम हो सकेगा। इस तरह विश्वविद्यालय न सिर्फ अपनी बिजली की जरूरतों के निमित्त आत्मनिर्भर हो रहा है, बल्कि उसके उत्पादन से विश्वविद्यालय की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेगा।

समृद्ध हुआ एल्युमनाई प्रकोष्ठ

किसी भी विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में उसके पूर्व छात्रों का योगदान अति महत्वपूर्ण होता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक के नेतृत्व में कानपुर विश्वविद्यालय एल्यूमिनी एसोसिएशन का गठन किया गया। विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों के इस संघ को 13 जुलाई 2022 को पंजीकरण क्रमांक KNP/ 03893/2022-23 के द्वारा कानपुर में पंजीकृत किया गया। इस संघ में पूर्व छात्रों को जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय ने एक पोर्टल https://csjmkanpur.almaconnect .com बनाया। यही नहीं विश्वविद्यालय परिसर में एल्युमनी परिसर में एक कार्यालय को भी पूर्व छात्रों को खोला गया, ताकि वहां बैठकर वे आराम से विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए अपनी गतिविधियों का संचालन आसानी से कर सके।

इस पोर्टल की मदद से बहुत कम समय में विश्वभर में फैले विश्वविद्यालय में 10 हजार से अधिक भूतपूर्व छात्र जुड़ गये। इस संघ को बनाने का प्रारम्भिक मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होने वाले नये छात्रों को पुराने छात्रों द्वारा रोजगार में हर प्रकार की मदद करना था, किन्तु कालांतर में विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों ने अपनी गतिविधियों के द्वारा न सिर्फ छात्रों की मदद की। वरन् अपनी सामाजिक जिम्मेदारियो को समझते हुए कई अन्य कार्य भी किये। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों का बहुत समृद्ध इतिहास रहा। यहां से पढ़े हुए पूर्व छात्रों में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी, पूर्व प्रधानमंत्री पं. अटल बिहारी वाजपेयी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना जी जैसी विभूतियां यहां के एल्युमनी प्रकोष्ठ को मजबूत स्तम्भ को बताने के लिए काफी है। पूर्व छात्रों ने प्लेसमेंट ड्राइव के आयोजन द्वारा 50 से अधिक कम्पनियों को विश्वविद्यालय में बुलाया और 300 से अधिक छात्रों को रोजगार दिया। पूर्व छात्रों ने उद्योग जगत की आवश्यकताओं को समझने के लिए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों एवं शिक्षकों के साथ संवाद स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई, जिसमें उद्योग जगत द्वारा दिए गये फीड बैक और सुझाव के अनुसार वर्तमान में उनकी जरूरतों को देखते हुए शिक्षक, छात्रों को तैयार कर सके। एल्यूमिनी एसोसिएशन द्वारा न सिर्फ बाहर से कम्पनियों को बुलाया गया, बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर छात्रो को अपनी कंपनियों में भी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा रोजगार दिया गया।

उन्होंने छात्रों को अपने अनुभवो साझा करते हुए ट्रेनिंग दी एवं मोटीवेट किया। एल्यूमिनी एसोसिएशन के सदस्यो ने फीफा एवं विश्वविद्यालय के साथ मिलकर 05 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लिया। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा सवा करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता देकर गेस्ट हाउस एवं इनोवेशन के लिए फंड जुटाया गया। एसोसिएशन ने पर्यावरण पर ध्यान देते हुए विश्वविद्यालय के भीतर एक सेवा उद्यान बनाया, बहुत से पेड़ लगाये और प्लास्टिक मुक्त परिसर के लिए कैम्पेन भी चलाया। इन भूतपूर्व छात्रों द्वारा 150 से अधिक आई कैम्प एवं हेल्थ कैम्प लगाये गए। जिसमें कई छात्रों में मायोपिया की समस्या पाई गयी, जिसके बारे में छात्रो को स्वंय ही नहीं पता था। एल्यूमिनी एसोसिएशन ने अग्नि शमन एवं जीवन रक्षा के उद्देश्य से कैम्पस एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के छात्रो, कर्मचारियों एवं शिक्षकों को जागरूक करने का प्रयास किया। ये भूतपूर्व छात्र सेमिनार, कॉन्फ्रेंस वर्कशाप एवं आमंत्रित व्याख्यान द्वारा विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों के इन छात्रों के लगभग 200 से अधिक आमंत्रित व्याख्यान हो चुके हैं। छात्रों के मनोबल को बढ़ाने के लिए ये पूर्व छात्र नये छात्रों को छात्रवृत्ति पुरस्कार एवं मेडल प्रदान करते हैं। अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के तहत विश्वविद्यालय की एल्यूमिनी एसोसिएशन शहर में स्थित बालगृह एवं वृद्ध आश्रम में विभिन्न त्यौहारों के अवसर पर न सिर्फ फल मिठाई, पिचकारी एवं रंग वितरित करते हैं, बल्कि समाज के हाशिये पर खड़े इन लोगों के साथ मिलकर जुलकर त्यौहार भी मानते हैं। इस प्रकार विश्वविद्यालय के इन छात्रों की एल्यूमिनी एसोसिएशन द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा एवं स्वास्थ्य के उत्थान व रोजगार और जीविकोपार्जन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KANPUR

MEDIA COVERAGE 2021

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY
KANPUR
MEDIA COVERAGE 2022

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

MEDIA COVERAGE 2023

(यू.जी.सी. श्रेणी–I विश्वविद्यालय)

www.csjmu.ac.in

/csjmuknp

/CSJM_University

/csjm_university/

/rb.gy/nr2jsc

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kalyanpur, Kanpur
Uttar Pradesh, India-208024